वाराणसी ,शुक्रवार, 02 अक्टूबर 2026
वर्ष : 21
अंक : 90
पृष्ठ : 8
काशी संस्करण
मूल्यः 2-00 रूपए

लोक हस्तक्षेप

THE POWER OF TRUTH

हिंदी दैनिक

lokhastakshep.com

खेल

त्रिकोणीय सीरीज : इंग्लैंड की 16-सदस्यीय वनडे टीम घोषित, 8 साल बाद मेसन क्रेन की वापसी.....7

भविष्य की चुनौतियों के हिसाब से हों सिविल सेवक

भर्ती प्रक्रिया में बदलाव के साथ परीक्षा चक्र छोटा करने पर जोर

नई दिल्ली,एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि संघ लोक सेवा आयोग और राज्य चयन आयोगों को भविष्य की जरूरतों के अनुसार चयन के मानदंड और भर्ती प्रक्रिया में बदलाव करना चाहिए। प्रधानमंत्री ने गुरुवार को यहां भारत मंडपम में संघ लोक सेवा आयोग के शताब्दी समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि चयन प्रक्रिया में केवल शैक्षणिक ज्ञान नहीं, बल्कि जनसेवा की प्रेरणा, जटिल समस्याओं को हल करने की क्षमता और भविष्य की चुनौतियों को समझने की क्षमता को भी परखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि 21वीं सदी के प्रशासन का आधार जनहितैषी, सक्रिय और सुशासन होना चाहिए। नागरिक देवो भव को प्रशासन का मूल बताते हुए उन्होंने कहा कि नागरिक सेवा सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने भर्ती प्रक्रिया में ऐसे अधिकारियों के चयन पर जोर दिया जो समस्याओं का पहले से अनुमान लगाएं, नए समाधान खोजें और कानूनों के असर को नागरिकों के

नजरिये से समझें। प्रधानमंत्री ने परीक्षाओं को कराने में लगने वाले समय को कम करने पर जोर देते हुए कहा कि यह एक बहुत अहम विषय है। प्रधानमंत्री ने कहा , ÷ परीक्षा को हमें केवल एक इवेंट की तरह नहीं देखना है। ये इवेंट से कहीं अधिक युवाओं के भविष्य से, उनके जीवन से जुड़ा हुआ विषय है। परीक्षाओं में कुछ महीनों की देरी युवाओं के लिए बड़ा संकट बन सकती है। कोचिंग की फीस, रेंट, ट्रांसपोर्ट का खर्च, ये बहुत बड़ा बोझ उस परिवार पर होता है। इसलिए, हमारी परीक्षा प्रणाली में समय की निश्चितता के सिद्धांत को अपनाना बहुत आवश्यक है। इसलिए, देश के सभी चयन आयोगों को, ये सुनिश्चित करना होगा, कि कसौटी में कमी किए बिना, हमारी एग्जामिनेशन साइकिल छोटी कैसे हो?÷ श्री मोदी ने कहा कि 2047 तक देश में तेजी से शहरीकरण होगा और गांवों तथा शहरों के बीच का अंतर कम होगा। ऐसे में युवाओं की अपेक्षाएं बढ़ेंगी और एआई आधारित तत्काल सेवाओं के दौर में प्रशासन को भी उसी गति से बदलना होगा। भविष्य के सिविल सेवकों को सूचना युद्ध, डीपफेक, एल्गोरिदम आधारित पक्षपात और जलवायु न्याय जैसी नई चुनौतियों से भी निपटना होगा।

2017 से पहले माफिया के सामने नाक रगड़ती थी सरकार: योगी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लोकभवन में अत्याधुनिक 87 इंटरसेप्टर वाहनों को फ्लैग ऑफ किया

लखनऊ, संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पूर्ववर्ती सरकार की कानून-व्यवस्था पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि 2017 से पहले प्रदेश के हर जिले में दुर्दांत माफिया का बोलबाला था। समानांतर सरकारें चलती थीं। माफिया के सामने नाक रगड़ी जाती थी, घुटने टेके जाते थे और पुलिस मजबूर थी। राजनीतिक नेतृत्व की रीढ़ ही टेढ़ी हो तो वह कानून-व्यवस्था को सीधा कैसे कर सकता है मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गुरुवार को लोकभवन सभागार में आयोजित समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने 87 इंटरसेप्टर वाहनों को हरी झंडी दिखाई, वीर पुलिसकर्मियों को पदक प्रदान किए और पूर्व डीजीपी प्रकाश सिंह की पुस्तक 'संघर्ष' का विमोचन भी किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि 2017 के बाद सरकार ने पुलिस सुधारों को आगे बढ़ाया। प्रकाश सिंह ने जिस पुलिस रिफॉर्म की वकालत की थी, उसे उत्तर प्रदेश ने देश में सबसे पहले लागू किया। प्रदेश में अब सात पुलिस कमिश्नरेट काम कर रहे हैं। आज यूपी पुलिस के सामने विचार, वीरता और तकनीक, तीनों का समन्वय दिखाई दे रहा है। 'संघर्ष' के माध्यम से पुलिस सेवा के अनुभव और चुनौतियां सामने आई हैं तो जांबाजों की वीरता का सम्मान हुआ है और सड़क सुरक्षा के लिए अत्याधुनिक इंटरसेप्टर वाहन पुलिस बल को समर्पित किए गए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि बंद कमरे में बैठकर किसी के प्रति कोई भी टिप्पणी करना आसान है। कोई व्यक्ति कितना भी बड़ा क्यों न हो और उसे अपने पद का कितना भी गुरूर हो, सुरक्षा हटा दी जाए तो अराजकता के माहौल में उसे भीगी बिल्ली बनने में देर नहीं लगेगी। स्वस्थ चिंतन तभी संभव है, जब समाज में सुरक्षा का वातावरण हो। सुरक्षित माहौल में ही समृद्धि की परिकल्पना को साकार किया जा सकता है। यूपी पुलिस की थीम 'आपकी सुरक्षा, हमारा संकल्प' इसी भावना को व्यक्त करती है। जब तराई क्षेत्र आतंकवाद की चपेट में था, तब पुलिस व सेना की सुरक्षा में ही आवागमन संभव था। सूर्यास्त के बाद आवाजाही लगभग बंद हो जाती थी। उस समय डीजीपी के रूप में प्रकाश सिंह ने इन चुनौतियों का सामना किया। पुलिस सुधारों के लिए प्रकाश सिंह को सुप्रीम कोर्ट की शरण लेनी पड़ी थी। उत्तर प्रदेश ने पुलिस सुधारों को लागू करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं मुख्यमंत्री ने कहा कि वैचारिकी केवल शब्द या आलेख नहीं होती, बल्कि वह व्यावहारिक जीवन की चुनौतियों को भी समाहित करती है। प्रकाश सिंह ने अपने सेवाकाल में पग-पग पर इन चुनौतियों का सामना किया और अपनी पूरी सेवा को कुशलतापूर्वक पूरा किया। लंबे समय तक विभिन्न संस्थानों में व्याख्यानों के माध्यम से युवाओं को प्रेरित करने वाली उनकी वैचारिकी अब पुस्तक के रूप में सामने आई है। आचार और विचार में जब समन्वय होता है और दोनों एक ही दिशा में आगे बढ़ते हैं, तभी परिणाम सामने आता है मुख्यमंत्री ने 2017 से पहले प्रदेश की कानून-व्यवस्था की स्थिति का उल्लेख करते हुए कहा कि उस समय 'यूपी वाला' कहकर लोगों को बाहर कर दिया जाता था। पुलिस के सामने भी बड़ी चुनौतियां थीं।

भारतीय पायलट मच्छार की बहादुरी को खड़गे ने सराहा

नयी दिल्ली एजेंसी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने फ्लाई दुबई के विमान को कथित तौर पर दुर्घटनाग्रस्त कराने के अपने सहयोगी पायलट के प्रयास को बहादुरी से रोकने वाले भारतीय पायलट स्मित मच्छार की बृहस्पतिवार को सराहना की और उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। खड़गे ने एक्स पर पोस्ट कर कहा, मैं भारतीय कैप्टन स्मित मच्छार, चालक दल के सदस्यों और हमले के दौरान अदम्य साहस तथा सूझबूझ दिखाने वाले सभी लोगों को सलाम करता हूं, जिन्होंने बहुमूल्य जिंदगियां बचाने में मदद की। उन्होंने कहा, कैप्टन मच्छार के शीघ्र और पूर्ण स्वस्थ होने की कामना करता हूं।

यूपी राज्य सभा चुनाव

10 वीं सीट के लिए बीजेपी और सपा में महासंग्राम

विजय दुबे

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में राज्यसभा की 10 सीटों के लिए होने वाले आगामी चुनाव ने सूबे का सियासी पारा सातवें आसमान पर पहुंचा दिया है। संख्या बल के आधार पर 9 सीटों का समीकरण पूरी तरह साफ है, लेकिन 10वीं सीट को लेकर असली संग्राम छिड़ गया है। भारतीय जनता पार्टी और समाजवादी पाटी, दोनों ही दलों ने इस एक अतिरिक्त सीट को अपने पाले में करने के लिए पूरी ताकत झोंक दी है। नतीजतन, इस चुनाव में बड़े पैमाने पर क्रॉस वोटिंगकी संभावनाएं गहरा गई हैं विधानसभा के मौजूदा संख्या बल के लिहाज से इस बार का गणित बेहद दिलचस्प है। यूपी विधानसभा में कुल 403 सीटें हैं, जिनमें से वर्तमान में 7 सीटें रिक्त चल रही हैं। इस प्रकार सदन में प्रभावी विधायकों की संख्या 396 है। इस संख्या के आधार पर किसी भी उम्मीदवार को राज्यसभा पहुंचने के लिए 37 प्रथम वरीयता वोटों की आवश्यकता होगी। मौजूदा विधायकों के आंकड़ों पर नजर डालें तो राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के पास अपने 7 उम्मीदवारों को आसानी से जिताने के लिए पर्याप्त संख्या (259 वोट) मौजूद है। वहीं मुख्य विपक्षी दल समाजवादी पार्टी अपने दम पर 2 सीटें पूरी तरह सुरक्षित कर चुकी है। सपा ने प्रो. रामगोपाल यादव और धनराज परिमल नाथवानी को अपना उम्मीदवार बनाया है। पेंच तब फंसा जब दोनों ही खेमों ने अपनी सुरक्षित सीटों से आगे जाकर उम्मीदवार उतारने के संकेत दे दिए। बीजेपी जहां 8वें उम्मीदवार को जिताने की फिराक में है, वहीं सपा ने भी 3 उम्मीदवारों के लिए नामांकन पत्र खरीदकर मुकाबले को त्रिकोणीय और दिलचस्प बना दिया। अपनी 7 सीटें सुरक्षित करने के बाद बीजेपी गठबंधन के पास लगभग 34 अतिरिक्त वोट बच रहे हैं। अपनी 8वीं (और सदन की 10वीं) सीट को फतह करने के लिए बीजेपी को मात्र 3 अतिरिक्त विधायकों के समर्थन की दरकार है। अपने दो उम्मीदवारों को सुरक्षित राज्यसभा भेजने के बाद सपा के पास तीसरी सीट के लिए पर्याप्त वोट नहीं बचते। पार्टी को अपने तीसरे प्रत्याशी की नैया पार लगाने के लिए 6 से 9 अतिरिक्त वोटों का जुगाड़ करना होगा।

इस चुनावी जंग में जीत का दारोमदार पूरी तरह से विपक्षी खेमे में सेंधमारी और क्रॉस वोटिंग पर टिक गया है। राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि दोनों ही दल एक-दूसरे के असंतुष्ट विधायकों को साधने में जुटे हैं।

भारत सरकार

गांधी जी और शास्त्री जी को उनकी जयंती पर कृतज्ञ राष्ट्र का कोटि-कोटि नमन

2 अक्टूबर, 2026

महात्मा गांधी और **लाल बहादुर शास्त्री** की जयंती पर, राष्ट्र इन दोनों महान नेताओं को श्रद्धांजलि अर्पित करता है, जिन्होंने अपना जीवन राष्ट्र की सेवा में समर्पित कर दिया।

"गांधी जी ने साहस, सादगी, सेवा और करुणा की शक्ति का मार्ग दिखाया, वहीं शास्त्री जी का जीवन और नेतृत्व एक सशक्त और आत्मनिर्भर राष्ट्र के निर्माण के लिए प्रेरित करता रहेगा।"

- नरेन्द्र मोदी

CBC 63101/13/0015/2627

काशी में उद्योगों के विकास के बारे में पीएम को बताया

लोक हस्तक्षेप समाचार

वाराणसी। एमएसएमई राज्यमंत्री हंसराज विश्वकर्मा ने बुधवार को नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से शिष्टाचार भेंट की। उन्होंने यूपी के विकास, वाराणसी में संचालित विकास परियोजनाओं, जनकल्याणकारी योजनाओं, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम क्षेत्र तथा पीएम विश्वकर्मा योजना से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की। मुलाकात के दौरान राज्यमंत्री ने यहां चल रहे विकास कार्यों और जनहित से जुड़े विषयों की जानकारी प्रधानमंत्री को दी। इस दौरान ग्रेटर नोएडा स्थित इंडिया एक्सपो सेंटर ऐंड मार्ट में आयोजित यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो का विषय भी चर्चा में रहा। राज्यमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एमएसएमई विभाग की सहभागिता, प्रदेश के उद्यमियों, कारीगरों एवं लघु उद्योगों को उपलब्ध कराए जा रहे अवसरों तथा उत्तर प्रदेश में व्यापार एवं औद्योगिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए किए जा रहे प्रयासों से अवगत कराया। पीएम विश्वकर्मा योजना के माध्यम से पारंपरिक कारीगरों एवं शिल्पकारों को मिल रहे प्रशिक्षण, आधुनिक उपकरणों, ऋण सुविधा, कौशल उन्नयन एवं बाजार से जोड़ने के अवसरों पर भी चर्चा हुई।राज्यमंत्री ने बताया कि उत्तर प्रदेश में बड़ी संख्या में पारंपरिक कारीगर एवं शिल्पकार अपनी कला एवं हुनर से स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूत कर रहे हैं। पीएम विश्वकर्मा योजना इन कारीगरों के पारंपरिक कौशल को आधुनिक तकनीक, प्रशिक्षण, वित्तीय सहायता और बाजार से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। हंसराज विश्वकर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से हुई यह शिष्टाचार भेंट वाराणसी के विकास, जनकल्याणकारी योजनाओं, एमएसएमई और पीएम विश्वकर्मा योजना के प्रभावी क्रियान्वयन और विस्तार से जुड़े विषयों पर सार्थक संवाद का महत्वपूर्ण अवसर रही।

सपा के हर संघर्ष में आगे रहे रामगोविन्द चौधरी : धर्मेन्द्र

लोक हस्तक्षेप समाचार

बलिया। समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री स्व. रामगोविंद चौधरी को श्रद्धांजलि देने के लिए गुरुवार को दरांव स्थित एक हाल में सर्वदलीय श्रद्धांजलि सभा आयोजित हुई। इसमें आजमगढ़ के सांसद धर्मेंद्र यादव के साथ ही अन्य नेताओं ने दिवंगत नेता के चित्र पर पुष्प अर्पित कर नमन किया।अपने संबोधन में धर्मेंद्र यादव ने अपने कई संस्मरण साझा किए। कहा कि आजमगढ़ लोकसभा उपचुनाव 2022 के दौरान तपती दुपहरी में अस्वस्थ होने के बावजूद चौधरी साहब काफिले के साथ पैदल चलते रहे। रोकने पर भी नहीं रुके। बलिया की मिट्टी का जज्बा उनके अंदर था। सांसद ने कहा कि नेताजी मुलायम सिंह यादव जब 1991 में जसवंतनगर से चुनाव लड़ रहे थे और तत्कालीन कल्याण सिंह सरकार ने सपा नेताओं को मुकदमों में फंसाकर जेल भेज दिया था। तब इसी बलिया, गाजीपुर, आजमगढ़ के नेताओं ने चुनाव संभाला था, जिसमें रामगोविंद चौधरी अग्रिम पंक्ति में थे।

दुर्गा पूजा समितियों की हुई बैठक, 21 अक्तूबर को होगा रावण दहन

लोक हस्तक्षेप समाचार

रसड़ा (बलिया)। श्रीनाथ बाबा परिसर में श्रीरामलीला कमेटी के नेतृत्व में दुर्गा पूजा समितियों की बैठक हुई। मेला कमेटी अध्यक्ष संतोष कुमार जायसवाल व महामंत्री निर्मल कुमार पांडेय ने बताया कि रावण पुतला दहन 21 अक्तूबर को किया जाएगा। समितियों से विसर्जन जुलूस समय से निकालने और प्रकाश सज्जा की ऊंचाई बढ़ाने की अपील की गई, ताकि श्रीराम रथ के आवागमन में परेशानी न हो। राजगद्दी में लॉग निकालने वाली समितियों को आर्थिक सहयोग व पुरस्कार देने का निर्णय लिया गया। बैठक में पूजा समितियों के पदाधिकारियों को अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया गया। संचालन अविनाश सोनी ने किया।

किशोरी को युवक बहला-फुसलाकर ले भागा

लोक हस्तक्षेप समाचार

बलिया। सुखपुरा थाना क्षेत्र में सोशल मीडिया के माध्यम से दोस्ती के बाद 16 वर्षीय किशोरी को युवक द्वारा बहला-फुसलाकर ले जाने का मामला सामने आया है। किशोरी के पिता ने थाने में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की। थानाध्यक्ष रत्नेश दुबे ने बताया कि किशोरी की इंस्टाग्राम के जरिए बिहार के बक्सर निवासी कल्लू गिरी से बातचीत होती थी। 23 जुलाई को फोन पर बातचीत के करीब दो घंटे बाद परिजन दवा लेने घर से बाहर गए। इसी दौरान युवक किशोरी को लेकर चला गया। परिजनों ने युवक की पहचान और मोबाइल नंबर पुलिस को दिया है। तहरीर के आधार पर प्राथमिकी दर्ज कर किशोरी की तलाश की जा रही है।

जनसुनवाई में जिलाधिकारी ने फरियादियों की सुनीं समस्याएं

खलिहान से अवैध कब्जा हटाने और आयुष्मान कार्ड की समस्या पर डीएम का सख्त एक्शन

लोक हस्तक्षेप समाचार

बलिया। बलिया के जिलाधिकारी ज्ञानेंद्र सिंह ने गुरुवार को जनसुनवाई की। इस दौरान आम लोगों ने अपनी समस्याएं बताईं। मुख्य रूप से खलिहान की जमीन से अवैध कब्जा हटाने और आयुष्मान कार्ड बनवाने जैसे मामले सामने आए। रसड़ा तहसील के मीरनगंज दिगरचा गांव के झगरु चौहान और कई महिलाओं ने शिकायत की। उन्होंने बताया कि गांव में खलिहान की जमीन (आराजी नंबर 210) पर प्रेमशंकर चौहान ने कब्जा कर लिया है। यह जमीन गांव के गरीब परिवारों के शादी-विवाह और बारात ठहरने के काम आती है। वहीं, मिढ्ढा गांव के व्यास राम ने जिलाधिकारी को धन्यवाद दिया। उन्होंने बताया कि चार महीने से आयुष्मान कार्ड बनवाने के लिए परेशान थे, लेकिन डीएम से मिलने के बाद उनका कार्ड बन गया है। जिलाधिकारी ने सभी फरियादियों की समस्याएं सुनीं और संबंधित अधिकारियों को जरूरी कार्रवाई के निर्देश दिए।

पक्का तालाब में डूबने से युवक की मौत

लोक हस्तक्षेप समाचार

लखीमपुर खीरी। कस्बे के ऐतिहासिक राम जानकी पक्का तालाब में बुधवार शाम को एक बड़ा हादसा हो गया। तालाब में डूबने से एक 32 वर्षीय युवक की दर्दनाक मौत हो गई। घटना के बाद से मृतक के परिवार में कोहराम मचा हुआ है।जानकारी के अनुसार, मृतक की पहचान मोहल्ला श्यामलाल पुरवा निवासी अजय उर्फ डकारा (32) पुत्र मुन्ना सिंह उर्फ करन के रूप में हुई है।

योगी सरकार में 586 पीएम श्री स्कूलों में 'लर्निंग बाय डूइंग' को मिलेगी नई गति

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश के पीएम श्री विद्यालयों में पढ़ाई को किताबों की सीमाओं से आगे ले जाकर प्रयोग, गतिविधि और अनुभव से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। वर्ष 2024-25 के लिए चयनित 586 उच्च प्राथमिक एवं कंपोजिट पीएम श्री विद्यालयों में लर्निंग बाय डूइंग को और प्रभावी बनाया जाएगा।

इसके लिए रु 2.34 करोड़ की धनराशि से कंज्यूमेबल्स/ रॉ मैटेरियल क्रय किया जाएगा तथा प्रत्येक चयनित विद्यालय के लिए ?40 हजार की धनराशि की सीमा निर्धारित की गई है। इससे 586 पीएम श्री विद्यालयों में गतिविधि आधारित शिक्षण के लिए आवश्यक संसाधन उपलब्ध होंगे और बच्चों को पुस्तकीय ज्ञान के साथ प्रयोग एवं अनुभव के माध्यम से सीखने के अधिक अवसर मिलेंगे। लर्निंग बाय डूइंग के माध्यम से विद्यार्थियों को विषयवस्तु को केवल पढ़ने के बजाय गतिविधियों, प्रयोगों और प्रत्यक्ष अनुभवों के जरिए समझने के अवसर मिलेंगे। उपलब्ध कराई जाने वाली कंज्यूमेबल्स/रॉ मैटेरियल सामग्री का उपयोग विद्यालयों में गतिविधि आधारित शिक्षण को प्रभावी बनाने के लिए किया जाएगा, जिससे बच्चे सीखने की प्रक्रिया में सक्रिय भागीदार बन सकें। महानिदेशक, स्कूल शिक्षा एवं राज्य परियोजना निदेशक मोनिका रानी के निर्देशानुसार चयनित 586 विद्यालयों में लर्निंग बाय डूइंग के लिए आवश्यक कंज्यूमेबल्स/ रॉ मैटेरियल क्रय किया जाएगा। इसके लिए कुल ?2,34,40,000 का प्रावधान किया गया है, जिससे विद्यालयों में गतिविधियों के संचालन के लिए आवश्यक संसाधन उपलब्ध होंगे।इस पहल का उद्देश्य कक्षा-कक्ष में सीखने की प्रक्रिया को अधिक सक्रिय और अनुभवपरक बनाना है। विद्यार्थी विषयवस्तु को देखकर, प्रयोग करके और गतिविधियों में भाग लेकर समझ सकेंगे, जिससे पुस्तकीय ज्ञान को व्यावहारिक अनुभव से जोड़ने में मदद मिलेगी और उनकी सीखने की प्रक्रिया अधिक सहज एवं रोचक बनेगी। विद्यालयों को उपलब्ध कराई जाने वाली सामग्री का उचित एवं उद्देश्यपरक उपयोग सुनिश्चित करने के साथ गतिविधियों के संचालन और अभिलेखीकरण का अनुश्रवण किया जाएगा। पूर्व में संचालित लर्निंग बाय डूइंग गतिविधियों के अनुभवों को भी आगे की गतिविधियों से जोड़ने पर जोर दिया गया है।

देश एवं प्रदेश में सामाजिक न्याय, भाजपाई आपातकाल से गुजर रहा : अखिलेश यादव

लोक हस्तक्षेप समाचार

लखनऊ संवाददाता। समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष अखिलेश यादव ने बृहस्पतिवार को कहा कि भारत और उत्तर प्रदेश में सामाजिक न्याय भाजपाई आपातकाल से गुजर रहा है। इसके साथ ही अखिलेश ने पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) वर्गों के खिलाफ अत्याचार और आवाज उठाने वालों पर कार्रवाई का आरोप लगाया। एक संवाददाता सम्मेलन में अखिलेश ने कहा कि जिस अवधि में पीडीए को अत्याचारों का सामना करना पड़ रहा है या कराया जाएगा, उसे आपातकाल कहा जा सकता है। प्रदेश के मुख्यमंत्री रह चुके अखिलेश ने 1975 के आपातकाल का विरोध करने वालों को लोकतंत्र सेनानी बताते हुए कहा कि ऐसे कई लोग बृहस्पतिवार को सपा मुख्यालय में उनसे मिले और अपने अनुभव एवं सुझाव साझा किए। उन्होंने कहा कि सपा सरकार बनने पर लोकतंत्र सेनानियों के महत्वपूर्ण सुझाव लागू किए जाएंगे। उन्होंने घोषणा की कि उत्तर प्रदेश में सपा की सरकार बनने पर उनका मानदेय बढ़ाकर 51,000 रुपये किया जाएगा। साथ ही सरकारी अस्पतालों में स्वास्थ्य, इलाज और दवाओं के विशेष इंतजाम तथा मुफ्त इलाज की सुविधा दी जाएगी। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता सेनानियों के बराबर सम्मान और ट्रेन एवं बस किराए में छूट की मांगों को पार्टी के घोषणापत्र में शामिल किया जाएगा। भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए अखिलेश ने गोरखपुर में जलभराव की तस्वीरें और वीडियो पोस्ट करने वाले एक युवक के खिलाफ कथित कार्रवाई का जिक्र किया। उन्होंने आरोप लगाया कि युवक के खिलाफ गुंडा एक्ट और अन्य धाराओं में मामला दर्ज किया गया। उन्होंने कहा कि पत्रकारों द्वारा सच्चाई दिखाने पर भी कार्रवाई की जा रही है। देश में 1975 के आपातकाल का उल्लेख करते हुए अखिलेश ने कहा कि उस समय भ्रष्टाचार और महंगाई चरम पर थी और इन्हीं मुद्दों ने लोगों को सड़कों पर उतारा। उन्होंने कहा कि आज भी महंगाई, भ्रष्टाचार और बेरोजगारी चरम पर हैं। यादव ने कहा, हम लोकतंत्र बचाएंगे, हम संविधान बचाएंगे।

वाराणसी की दोनों MLC सीटों पर सपा-कांग्रेस

UP MLC चुनाव में INDIA गठबंधन में दरार

लोक हस्तक्षेप समाचार

वाराणसी- उत्तर प्रदेश में होने वाले आगामी विधान सभा चुनावों का सेमीफाइनल माना जा रहें यूपी एमएलसी चुनाव में सपा और कांग्रेस का गठबंधन टूटता दिख रहा है।

विधान सभा चुनाव में सपा और कांग्रेस का गठबंधन होगा या नहीं ये तो समय बताएगा लेकिन विधान परिषद चुनाव में गठबंधन में दरार साफ दिखने लगी है।

वाराणसी के शिक्षक खण्ड और स्नातक खण्ड सीट पर सपा के लाल बिहारी यादव और आशुतोष सिन्हा के सामने कांग्रेस ने अपना प्रत्याशी खड़ा कर दिया है। प्रत्याशी भी दिया है जो पूर्व में सपा के शिक्षक दल के पदाधिकारी रहे हैं। संजय प्रियदर्शी मूल रूप वाराणसी के ही रहने वाले है और एक साल पूर्व ही कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने उन्हें पार्टी में शामिल किया था। वहीं स्नातक सीट पर आशुतोष सिन्हा के सामने कांग्रेस में 2 साल पहले शामिल हुए अरविंद सिंह पटेल को अपना प्रत्याशी घोषित किया है।

वाराणसी के स्नातक और शिक्षक खण्ड दोनों ही सीटों पर समाजवादी पार्टी के विधान परिषद सदस्य हैं। शिक्षक खंड में लाल बिहारी यादव वर्तमान में परिषद के सदस्य है और इस बार भी सपा ने उन्हें अपना प्रत्याशी बनाया है। वहीं दूसरी ओर स्नातक खंड के लिए पिछली बार सपा के आशुतोष सिंह ने भाजपा से यह सीट छीनी थी।

शिक्षक खण्ड के लिए कांग्रेस के प्रत्यशी संजय राय प्रियदर्शी पूर्व में सपा में रहे हैं। पार्टी में संजय राय प्रियदर्शी समाजवादी शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष पद पर थे। लगातार उपेक्षा के बाद भूमिहार समाज से आने वाले संजय प्रियदर्शी को कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने पार्टी में शामिल कराया था। वहीं दूसरी ओर पिछले बार स्नातक खण्ड पर निर्दल लड़ कर 13 हजार वोट पाने वाले अरविंद सिंह पटेल को कांग्रेस ने अपना प्रत्यशी बनाया है। कांग्रेस के महानगर अध्यक्ष ने बताया कि इन दोनों का नामंकन 5 अक्टूबर को किया जाएगा।

वाराणसी में बसने जा रही नई टाउनशिप 'आनंद काशी',

- पहले चरण में 1,004 आवासीय प्लॉट होगें विकसित

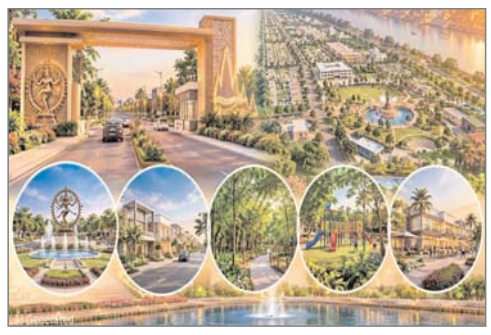

लोक हस्तक्षेप समाचार

वाराणसी। काशी में घर का सपना अब आधुनिक सुविधाओं और काशी की पहचान के साथ पूरा करने की तैयारी है। कल्लीपुर में 77 एकड़ में विकसित हो रही 'आनंद काशी' टाउनशिप योजना अब आगे बढ़ रही है। शासन स्तर से इसकी रिपोर्ट पीएमओ को भेजी गई है। वहीं, रेरा अनुमोदन की प्रक्रिया अंतिम चरण में पहुंचने के बाद जल्द ही प्लॉट के पंजीकरण की शुरुआत होने की उम्मीद वाराणसी विकास प्राधिकरण (वीडीए) के अनुसार, टाउनशिप के पहले चरण में 1,004 आवासीय प्लॉट विकसित किए जा रहे हैं। इनका कुल क्षेत्रफल करीब 4,56,398.69 वर्गमीटर है. प्लॉट 72, 162, 200 और 288 वर्गमीटर आकार में उपलब्ध होंगे। इसके अलावा तीन ग्रुप हाउसिंग भूखंड और 108 व्यावसायिक भूखंड प्रस्तावित हैं। शैक्षणिक संस्थान, हेल्थकेयर, कम्युनिटी सेंटर और दो यूटिलिटी भूखंड भी योजना का हिस्सा होंगे। केंद्रीय पार्क 'आनंद काशी' को सिर्फ रिहायशी कॉलोनी के रूप में विकसित करने की योजना नहीं है। यहां करीब दो हेक्टेयर में केंद्रीय पार्क बनाया जाएगा। इसमें नटराज की प्रतिमा, केंद्रीय प्लाजा और फव्वारे होंगे। ओपन लॉन, एम्फीथिएटर, बच्चों के खेलने की जगह, मेडिटेशन गार्डन और वरिष्ठ नागरिकों के लिए जोन भी प्रस्तावित है. जॉगिंग ट्रैक और पैदल पथ के साथ पार्क के चारों ओर पैदल-अनुकूल मार्केट प्लाजा बनाने की योजना है। टाउनशिप की सीमा के पास करीब 3.71 एकड़ में मियावाकी वन विकसित किया जाएगा। योजना में कम से कम 15 प्रतिशत क्षेत्र हरित क्षेत्र के रूप में रखने का प्रावधान है. यहां 9, 12, 18 और 24 मीटर चौड़ी सड़कें होंगी। जलापूर्ति, सीवरेज, बिजली और वर्षाजल निकासी जैसी सुविधाओं का विकास भी अलग-अलग चरणों में किया जा रहा है वीडीए उपाध्यक्ष पूर्ण बोरा के मुताबिक, रेरा अनुमोदन की प्रक्रिया अंतिम चरण में है। सब कुछ तय योजना के अनुसार रहा तो अगले सप्ताह से पंजीकरण प्रक्रिया शुरू हो सकती है। वीडीए के अनुसार, काशी की थीम पर विकसित होने वाली यह पहली समेकित गेटेड सिटी होगी। करीब तीन दशक बाद विकसित हो रही इस टाउनशिप से क्षेत्र में आवास के साथ व्यावसायिक और रोजगार संबंधी गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

पिछड़ा वर्ग आयोग की बड़ी बैठक : लंबे समय बाद दिखे जिला पंचायत अध्यक्ष

लोक हस्तक्षेप समाचार

लखीमपुर खीरी। उत्तर प्रदेश राज्य स्थानीय ग्रामीण निकाय समर्पित पिछड़ा वर्ग आयोग (ह्लक्ष्ट आयोग) की टीम ने लखीमपुर खीरी के विकास भवन सभागार में एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक की। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य स्थानीय ग्रामीण निकायों में अन्य पिछड़ा वर्ग के सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक प्रतिनिधित्व की जमीनी हकीकत को परखना और आंकड़े जुटाना था।
बैठक में उस समय सभी का ध्यान आकर्षित हुआ जब जिले के प्रथम नागरिक यानी जिला पंचायत अध्यक्ष काफी दिनों बाद किसी प्रशासनिक बैठक में हिस्सा लेते नजर आए। लंबे समय बाद उनकी इस सक्रियता को लेकर प्रशासनिक गलियारों और जनप्रतिनिधियों के बीच काफी चर्चा रही।

कांग्रेस नेता मनीष खटाना की माताजी के निधन पर सांसद दीपेंद्र हुड्डा सहित कांग्रेस नेताओं ने जताया शोक

लोक हस्तक्षेप समाचार

गुरुग्राम । कांग्रेस पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता मनीष खटाना की माताजी श्रीमती इंद्रा देवी के निधन पर शोक व्यक्त करने और दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि देने के लिए गुरुवार को कांग्रेस नेताओं एवं कार्यकर्ताओं का उनके निवास पर तांता लगा रहा। मदनपुरी गली नंबर-5 स्थित उनके निवास पर लोकसभा सांसद दीपेंद्र हुड्डा, पूर्व मंत्री सुखबीर कटारिया, कार्यकारी प्रदेशाध्यक्ष जितेंद्र कुमार भारद्वाज, प्रदेश संगठन सचिव जयदीप धनखड़, इंटक प्रदेशाध्यक्ष अमित यादव, एआईसीसी सदस्य राहुल यादव, राव वीरेंद्र बिल्लू, मेयर प्रत्याशी सीमा पाहूजा, समाजसेवी पवन पाहूजा, शहरी जिलाध्यक्ष पंकज डावर, महिला जिलाध्यक्ष निर्मल यादव, मुकेश डागर कोच, सुशील सहरावत, युवा जिलाध्यक्ष अभिषेक यादव, पूर्व पार्षद रविंद्र कटारिया, पूर्व पार्षद कुलराज कटारिया, विकास हुड्डा, एडवोकेट अरुण शर्मा, सुनील चौहान, सोमवीर जाखड़, हरकेश बोहत, गजेंद्र चौहान चेयरमैन, राजकुमार कथूरिया, समाजसेवी नवीन गोयल तथा आलूपुर मंदिर के महंत योगी आदित्यनाथ महाराज सहित अनेक सामाजिक, राजनीतिक एवं धार्मिक लोग पहुंचे। सभी ने शोक संतप्त परिवार से मुलाकात कर अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त कीं और दिवंगत श्रीमती इंद्रा देवी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी। इस दौरान कांग्रेस नेताओं ने श्रीमती इंद्रा देवी के सरल स्वभाव, संस्कारों और सामाजिक जीवन में उनके योगदान को याद किया। नेताओं ने शोकाकुल परिवार को ढांढस बंधाते हुए कहा कि माता का निधन परिवार के लिए अपूरणीय क्षति है। उन्होंने ईश्वर से दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करने तथा परिजनों को इस दुख की घड़ी में धैर्य एवं शक्ति देने की प्रार्थना की।

फतेहपुर में परिषदीय विद्यालयों के समय में परिवर्तन, अब 9 से 3 बजे तक चलेंगे स्कूल

लोक हस्तक्षेप समाचार

फतेहपुर। बेसिक शिक्षा अधिकारी फतेहपुर ने जनपद के सभी परिषदीय विद्यालयों के समय में परिवर्तन किया है। नया समय आज 1 अक्टूबर 2026 से लागू हो गया है। बीएसए कार्यालय से जारी आदेश के अनुसार उत्तर प्रदेश बेसिक शिक्षा विभाग के शीतकालीन शेड्यूल के तहत अब जिले के सभी प्राथमिक और उच्च प्राथमिक विद्यालय सुबह 9 बजे से दोपहर 3 बजे तक संचालित होंगे। यह व्यवस्था 31 मार्च 2027 तक लागू रहेगी। इससे पहले ग्रीष्मकालीन व्यवस्था के तहत विद्यालय सुबह 8 बजे से दोपहर 2 बजे तक संचालित हो रहे थे। मौसम में बदलाव और सर्दी की आहट को देखते हुए विभाग ने यह निर्णय लिया है। बीएसए ने सभी खंड शिक्षा अधिकारियों को निर्देशित किया है कि निर्धारित समय-सारिणी का अक्षरशः पालन सुनिश्चित कराया जाए। प्रार्थना सभा, पठन-पाठन और मध्यांतर सभी नई समय सारिणी के अनुसार ही संचालित होंगे।

सहारा समूह से जुड़ी सहकारी सोसायटी के चेयरमैन खालिद चौधरी लखनऊ से अरेस्ट

लोक हस्तक्षेप समाचार

सीतापुर /लखनऊ सहारा समूह से जुड़ी साहर्यन यूनिवर्सल मल्टीपर्पज कोऑपरेटिव सोसायटी के चेयरमैन खालिद चौधरी को ग्वालियर पुलिस की विशेष टीम ने लखनऊ से गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार उनके खिलाफ धोखाधड़ी और अमानत में खयानत से जुड़े 20 से अधिक मामले दर्ज हैं। ग्वालियर में ही करीब 14 मामलों का उल्लेख सामने आया है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार ग्वालियर पुलिस की टीम पिछले कई दिनों से खालिद चौधरी की तलाश में लखनऊ में सक्रिय थी। 29 सितंबर की शाम सहारा टावर के पास पुलिस टीम ने घेराबंदी कर उन्हें कार से पकड़ा। इसके बाद पुलिस उन्हें ग्वालियर ले गई। पुलिस के मुताबिक खालिद चौधरी वर्ष 2020 से फरार बताए जा रहे थे और उनके खिलाफ

न्यायालय तथा उपभोक्ता आयोग से जमानती एवं गैर-जमानती वारंट जारी होने की जानकारी भी सामने आई है।

खुलासा फर्स्ट

45719 करोड़ रुपये जमा कराने का आरोप

पुलिस से संबंधित रिपोर्टों में आरोप है कि साहर्यन यूनिवर्सल मल्टीपर्पज कोऑपरेटिव सोसायटी ने वर्ष 2014 से 2022 के बीच आकर्षक ब्याज का भरोसा देकर देशभर के निवेशकों से करीब 45719 करोड़ रुपये जमा कराए। ग्वालियर और आसपास के क्षेत्रों से करीब 500 करोड़ रुपये निवेश कराए जाने का भी दावा किया गया है। ये आंकड़े पुलिस द्वारा बताए गए आरोपों के रूप में रिपोर्ट किए गए हैं। परिपक्वता अवधि पूरी होने के बाद भुगतान नहीं होने की शिकायतों के आधार पर विभिन्न मामले दर्ज किए जाने की बात सामने आई है। इनमें मुरैना निवासी रितेश जैन से संबंधित 15 लाख रुपये के कथित धोखाधड़ी मामले का भी उल्लेख है।

ग्वालियर पहुंचने के बाद उपभोक्ता आयोग में पेशी

ग्वालियर पुलिस द्वारा खालिद चौधरी को 30 सितंबर को उपभोक्ता आयोग के समक्ष पेश किए जाने की रिपोर्ट है।

योगी सरकार पीडियाट्रिक ट्रॉमा इंटीग्रेशन से हर साल बचाएगी करीब 1,800 जानें

लखनऊ,(संवाददाता)। योगी सरकार ने बच्चों को गंभीर दुर्घटनाओं और चोटों के बाद समय पर विशेषज्ञ चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने की दिशा में पीडियाट्रिक ट्रॉमा केयर को मौजूदा इमरजेंसी स्वास्थ्य व्यवस्था से जोड़ने का रोडमैप तैयार कर लिया है। इसका उद्देश्य प्रदेश के करीब 06 करोड़ बच्चों के लिए हाई-लेवल कम लागत वाली एकीकृत ट्रॉमा केयर व्यवस्था विकसित करना है। इसके तहत अस्पतालों, इमरजेंसी सेवाओं, एंबुलेंस, विशेषज्ञ चिकित्सकों और रेफरल सिस्टम को एक साझा नेटवर्क में जोड़ने पर जोर दिया जा रहा है। इस व्यवस्था से हर साल करीब 1,800 जानें बचाने का लक्ष्य रखा गया है।

ट्रॉमा बेड की हिस्सेदारी 12 से 15 प्रतिशत ले जाने का लक्ष्य

योगी सरकार ने बाल ट्रॉमा को यूनिफाइड इमरजेंसी केयर आर्किटेक्चर विकसित करने की योजना बनायी है। इसका आधार गंभीर रूप से घायल बच्चे को दुर्घटना स्थल से लेकर प्राथमिक उपचार, ट्रॉमा सेंटर, विशेषज्ञ उपचार और आगे की देखभाल तक हर स्तर पर समयबद्ध और समन्वित चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना है। इससे इलाज में होने वाली देरी और मरीज को एक अस्पताल से दूसरे अस्पताल भेजने में लगने वाले अतिरिक्त समय को कम किया जाएगा। वर्तमान में इमरजेंसी विभागों में ट्रॉमा बेड की हिस्सेदारी करीब 03 से 05 प्रतिशत है, जबकि एकीकृत ट्रामा केयर के जरिये इसे 12 से 15 प्रतिशत तक ले जाने का लक्ष्य है। इसके तहत प्रदेश में अलग-अलग स्तर की ट्रॉमा सुविधाओं का नेटवर्क विकसित करने की योजना है। इसमें लेवल-01 का एक, लेवल-02 के 36 और लेवल-03 के 126 इंटीग्रेटेड ट्रॉमा एवं इमरजेंसी यूनिट (आईटीईएमयू) को विकसित किया जाएगा। इससे कुल 173 इंटरकनेक्टेड सुविधाएं तैयार होंगी और करीब 2,853 नए बेड जुड़ेंगे। इसका मकसद गंभीर रूप से घायल बच्चों को जरूरत के अनुसार जल्द विशेषज्ञ उपचार उपलब्ध कराना है।

गोल्डन ऑवर में इलाज पर विशेष फोकस

पीडियाट्रिक ट्रॉमा में शुरुआती समय बेहद महत्वपूर्ण होता है इसलिए दुर्घटना के बाद तत्काल रिस्पांस, प्रशिक्षित मेडिकल टीम, एंबुलेंस कनेक्टिविटी और उपयुक्त ट्रॉमा सेंटर तक त्वरित रेफरल को एक साथ जोड़ने पर जोर है। इसमें गोल्डन ऑवर के दौरान इलाज उपलब्ध कराने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। इसके लिए प्रशिक्षित मेडिकल टीम, एंबुलेंस कनेक्टिविटी और उचित ट्रॉमा सेंटर तक तेजी से पहुंचाने की व्यवस्था को मजबूत किया जाएगा। इसके लिए योगी सरकार करीब 45 करोड़ रुपये खर्च करेगी।

संक्षिप्त समाचार

वृद्धाश्रम में विधिक जागरूकता शिविर आयोजित

लखनऊ,(संवाददाता)। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देश पर अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस के अवसर पर इंदिरा नगर स्थित मातो श्री वृद्धाश्रम में विधिक जागरूकता शिविर आयोजित किया गया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के अधिकार मित्र शैलेन्द्र श्रीवास्तव ने सचिव कुंवर मित्रेश सिंह कुशवाहा के दिशा-निर्देशन में वृद्धजनों को उनके कानूनी अधिकारों की जानकारी दी। शिविर में वृद्धजनों को आयुष्मान योजना, वृद्धावस्था पेंशन और विधवा पेंशन सहित विभिन्न सरकारी योजनाओं के बारे में बताया गया। साथ ही किसी भी संकट या कानूनी सहायता के लिए राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण की हेल्पलाइन 15100 पर संपर्क करने की जानकारी दी गई। वृद्धजनों के लिए शीघ्र ही अन्य सहायता एवं जागरूकता शिविर आयोजित किए जाने की भी जानकारी दी गई।

जन भवन में मेहंदी प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

लखनऊ,(संवाददाता)। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल की प्रेरणा से 'सेवा संकल्प अभियान-2026' के अंतर्गत आज जन भवन में मेहंदी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में जन भवन स्थित आदर्श माध्यमिक विद्यालय की 21 एवं राजकीय बाल गृह (बालिका), सिंधीखेड़ा, लखनऊ की 12 बालिकाओं ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में बालिकाओं ने हथेलियों पर आकर्षक एवं कलात्मक डिजाइनों के माध्यम से अपनी सृजनशीलता, कल्पनाशक्ति और कला-कौशल को अभिव्यक्त किया। मेहंदी की बारीक रेखाओं और विविध डिजाइनों में बालिकाओं की एकाग्रता एवं सौंदर्यबोध देखने को मिला।

निवेश के नाम पर ठगी का आरोप डॉक्टर दंपती ने मांगा न्याय

लखनऊ,(संवाददाता)। मुंबई के डॉक्टर दंपती डॉ. ज्योति सिंह और देवेंद्र जगदीश सिंह ने लखनऊ में अस्पताल व डायलिसिस सेंटर के लिए निवेश के नाम पर 12 करोड़ रुपये से अधिक की रकम हड़पने का आरोप लगाया है। उनका आरोप है कि आर.आर. इंफ्रासिटी प्राइवेट लिमिटेड के प्रमोटरों राम रतन चतुर्वेदी, यादवेंद्र चतुर्वेदी व अन्य ने प्रोजेक्ट के नाम पर रकम ली, जिसका कथित तौर पर निजी खर्चों में इस्तेमाल किया गया। डॉ. ज्योति सिंह ने आशियाना पुलिस चौकी में घंटों बैठाने और दस्तावेजों पर हस्ताक्षर कराने का भी आरोप लगाया है। पीड़ित दंपती ने मुख्यमंत्री से मामले की निष्पक्ष जांच और कार्रवाई की मांग की है।

पीजीआई पुलिस ने चेन स्नैचिंग के आरोपी को दबोचा, सोने की चेन और स्कूटी बरामद

लखनऊ,(संवाददाता)। पीजीआई पुलिस ने चेन स्नैचिंग की घटना का खुलासा करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके कब्जे से पीली धातु की एक चेन और घटना में प्रयुक्त स्कूटी बरामद की है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान मनोज गुप्ता पुत्र स्वर्गीय ब्रिज नारायण निवासी सआदतगंज, लखनऊ, वर्तमान पता स्वरूप नगर, खरिका तेलीबाग, थाना पीजीआई के रूप में हुई है। उसकी उम्र करीब 50 वर्ष है।पुलिस के अनुसार 29 सितंबर को राजीव नगर घोसियाना निवासी रंजीत सिंह ने पीजीआई थाने में तहरीर दी थी। उन्होंने बताया था कि उनकी मां घर के पास टहल रही थीं, तभी स्कूटी सवार एक युवक उनके गले में पहनी सोने की चेन पर झपट्टा मारकर फरार हो गया। इस संबंध में पीजीआई थाने में मुकदमा दर्ज किया गया था।

शिया महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने लिया सत्य-अहिंसा के मार्ग पर चलने का संकल्प

लखनऊ,(संवाददाता)। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी की 157वीं जयंती की पूर्व संध्या के अवसर पर शिया महाविद्यालय की ओर से 'गांधी-अम्बेडकर विचार श्रृंखला' के अंतर्गत एक व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के संयोजक डॉ0 रॉबिन वर्मा द्वारा छात्र-छात्राओं को बताया गया कि कैसे हमारे देश में समाज को विभाजित करने वाली शक्तियों द्वारा गांधी जी को एक साजिश के तहत एक मजबूर नेता के रूप में स्थापित किया गया, जबकि 21वीं शताब्दी में भारतीय उप-महाद्वीप में सिर्फ गांधी और अम्बेडकर ही ऐसे दो राजनेता हुए हैं, जिनकी दुनिया के 100 से ज्यादा देशों में उनकी प्रतिमाएं लगाई गई हैं और उनकी शिक्षाओं, संघर्ष व उपलब्धियों के बारे में पढ़ाया-लिखाया जाता है।वक्ता द्वारा गांधी जी के जीवन से जुड़े प्रेरक पहलुओं और उनके द्वारा अपने अंतिम समय में शांति उपवास के दौरान सरकार से सात प्रमुख मांगें जिसमें मेहरौली उर्स, मस्जिदों की बहाली, स्वतंत्र आवाजाही, पाकिस्तान से आने वाले धार्मिक अल्पसंख्यकों का दिल्ली की ओर से विरोध न किया जाये, सुरक्षित ट्रेन यात्रा, अल्पसंख्यकों का आर्थिक बहिष्कार का अंत व उनके जीवन से जुड़े प्रमुख बिंदुओं पर प्रकाश डाला गया।डॉ0 वर्मा ने अपने वक्तव्य में आगे कहा कि गांधी जी की सत्य के प्रति अटूट निष्ठा थी। उन्होंने अपने पूरे जीवन में सत्य को ही ईश्वर माना। दक्षिण अफ्रीका से लेकर चंपारण सत्याग्रह तक उन्होंने कभी सत्य का साथ नहीं छोड़ा। उनके सामने लाख कठिनाइयां आई लेकिन वो सत्य व अहिंसा के मार्ग पर डटे रहे। यही हम सभी के लिए सबसे बड़ी सीख है कि हम विद्यार्थियों को केवल किताबी ज्ञान नहीं, बल्कि सत्य पर टिके रहने की हिम्मत भी दें। अहिंसा गांधी जी का सबसे बड़ा हथियार था। गांधी जी ने दुनिया को दिखाया कि बिना हथियार उठाए भी सबसे बड़ी साम्राज्यवादी ताकत को झुकाया जा सकता है। अहिंसा आंदोलन, असहयोग आंदोलन, भारत छोड़ो आंदोलन इसके प्रमाण हैं।शिक्षा के क्षेत्र में योगदान (नई तालीम) गांधी जी ने बुनियादी शिक्षा या रोजगारपरक शिक्षा योजना दी। उनका मानना था कि शिक्षा स्वावलंबी होनी चाहिए, हाथ के काम से जुड़ी होनी चाहिए और मातृभाषा में होनी चाहिए। आज की नई शिक्षा नीति में भी उनकी यही सोच दिखती है। गांधी जी ने हमेशा स्वच्छता, स्वदेशी और स्वावलंबन, चरखा, खादी, ग्राम स्वराज और स्वच्छता के प्रति उनका आग्रह आज भी उतना ही प्रासंगिक है।

प्रमुख सचिव ऊर्जा ने केस्को के यूसीसीसी-1912 का किया औचक निरीक्षण, शिकायतों के त्वरित निस्तारण के दिए निर्देश

लखनऊ,(संवाददाता)। प्रमुख सचिव ऊर्जा एवं उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड के अध्यक्ष रणवीर प्रसाद ने गुरुवार को केस्को के यूनिफाइड कस्टमर केयर सेंटर (यूसीसीसी-1912) का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने सेंटर की कार्यप्रणाली, उपभोक्ताओं की शिकायतों के पंजीकरण और निस्तारण के साथ कॉल सेंटर के माध्यम से उपलब्ध कराई जा रही सेवाओं की स्थिति का जायजा लिया।निरीक्षण के दौरान रणवीर प्रसाद ने अधिकारियों से शिकायतों के निस्तारण की प्रक्रिया और उसकी गुणवत्ता की जानकारी ली। उन्होंने उपभोक्ताओं को मिलने वाली सेवाओं तथा शिकायतों के समाधान में लगने वाले समय की भी समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देश दिए कि प्रत्येक शिकायत का समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए तथा शिकायत दर्ज होने के बाद उसके समाधान तक प्रभावी निगरानी रखी जाए।उन्होंने कहा कि उपभोक्ताओं की समस्याओं के समाधान में किसी प्रकार की अनावश्यक देरी नहीं होनी चाहिए। कॉल सेंटर पर प्राप्त शिकायतों पर तत्काल कार्रवाई के साथ संबंधित अधिकारियों के बीच बेहतर समन्वय बनाए रखा जाए, ताकि उपभोक्ताओं को शीघ्र राहत मिल सके। उन्होंने उपभोक्ताओं से संवाद के दौरान विनम्र व्यवहार और उनकी समस्याओं के समाधान को प्राथमिकता देने पर भी जोर दिया।प्रमुख सचिव ने कहा कि उपभोक्ता सेवा विद्युत विभाग की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है।

यूपी में अपराधियों का राज, गहरी नींद में सोए महाराज

लखनऊ,(संवाददाता)। उ.प्र. कांग्रेस कमेटी मुख्यालय में पूर्व आई.ए.एस. राकेश वर्मा ने प्रेसवार्ता को सम्बोधित करते हुए कहा कि असल में, ये सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्ट की टिप्पणी सिर्फ यूपी पुलिस पर नहीं, बल्कि यूपी भाजपा राज की अराजकता पर है। यूपी में अपराधियों और सत्ता का गठजोड़ इतना गहरा है कि दलितों, पीड़ितों, शोषितों, वंचितों को भाजपा राज में अन्याय का दंश झेलना पड़ रहा है। आदित्यनाथ सरकार ने कानून को बेरहमी की खूंटी पर टाँग कर आम जनता के न्याय के अधिकार को रसूखदारों की ठोकरों में डाल दिया है। अपराध से दहला उत्तर प्रदेश-उत्तर प्रदेश में औसतन हर दिन करीब 9 हत्याएं, 10 हत्या के प्रयास, 9 बलात्कार, 33 अपहरण और 235 हिंसक अपराध हो रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट-'यूपी पुलिस को ही भंग कर दें। 30 सितंबर 2026 को जस्टिस संजय कुमार और जस्टिस संजीव सचदेवा की पीठ ने एक आपराधिक मामले की जाँच में यूपी पुलिस की कार्यशैली पर कड़ी नाराजगी जताई। जिस मोटरसाइकिल सवार को शिकायतकर्ता के अनुसार मौके पर पकड़कर पुलिस के हवाले किया गया, एफ.आई.आर. में उसका नाम दर्ज करने के बजाय मामला 'अज्ञात' व्यक्ति के खिलाफ दर्ज किया गया। सुप्रीम कोर्ट ने पूछा-'जब व्यक्ति मौके पर पकड़ा गया था तो एफ.आई.आर. में उसका नाम क्यों नहीं लिखा गया? लोग पुलिस पर भरोसा कैसे करेंगे? अदालत ने पुलिस की जाँच पर सवाल उठाते हुए कहा कि हर चीज में कोई न कोई 'एजेंडा' दिखाई देता है। कोर्ट ने कहा कि अगर यूपी पुलिस इसी तरह जाँच करती रही तो सभी जाँचों में सी.बी.आई. को शामिल करने के बारे में सोचना पड़ेगा। देवरिया के गौरी बाजार थाने में चार लोगों को कथित तौर पर गैरकानूनी हिरासत में रखने के मामले में इलाहाबाद हाई कोर्ट ने बीते दिनों पुलिस अधिकारियों की कार्यशैली पर गंभीर सवाल उठाए। चार लोगों को अप्रैल 2026 में अलग-अलग अवधि के लिए थाने में हिरासत में रखने का आरोप लगा। अदालत ने पुलिस से थाने की सीसीटीवी फुटेज माँगी, लेकिन पुलिस ने कैमरा खराब होने की बात कही। एस.एच.ओ. ने स्वीकार किया कि सीसीटीवी खराब होने की जनरल डायरी में कोई एंट्री तक नहीं की गई थी। एस.पी. ने बताया कि उन्हें सीसीटीवी खराब होने की जानकारी नहीं दी गई थी। राकेश वर्मा ने कहा कि जब सुप्रीम कोर्ट कह रहा है कि पुलिस की जांच में लोगों का भरोसा कैसे कायम रहेगा और हाई कोर्ट पुलिस अधिकारियों के बयानों पर सवाल उठा रहा है, तो उत्तर प्रदेश सरकार को बताना चाहिए कि प्रदेश में कानून का राज किसके भरोसे चल रहा है।

पोस्टकार्ड ने पूरा किया 157 साल का सफर

लखनऊ। घर के दरवाजे पर डाकिए की दस्तक और उसके हाथ में थमा पोस्टकार्ड कभी पूरे परिवार के लिए उत्सुकता का विषय हुआ करता था। पोस्टकार्ड पर लिखे कुछ शब्द दूर बैठे किसी अपने की आवाज जैसे लगते थे। पोस्टकार्ड सिर्फ कागज का एक टुकड़ा नहीं, बल्कि भावनाओं और रिश्तों को जोड़ने वाला माध्यम बन गया था। समय के साथ संचार के साधन बदलते गए। टेलीफोन, मोबाइल, इंटरनेट और सोशल मीडिया ने संदेशों को पलभर में पहुँचाना शुरू कर दिया। इसके बावजूद पोस्टकार्ड की ऐतिहासिक और भावनात्मक स्मृति आज भी कायम है। तमाम राजनेताओं से लेकर साहित्यकारों व आंदोलनकारियों ने पोस्टकार्ड का बखूबी प्रयोग किया है। अपना वही पोस्टकार्ड 1 अक्टूबर, 2026 को वैश्विक स्तर पर 157 साल का हो गया। भारतीय डाक सेवा के वरिष्ठ अधिकारी, पोस्टमास्टर जनरल कृष्ण कुमार यादव ने बताया कि, दुनिया में पहला पोस्टकार्ड एक अक्तूबर 1869 को ऑस्ट्रिया में जारी किया गया था।इसके पीछे की कहानी के बारे में पोस्टमास्टर जनरल कृष्ण कुमार यादव बताते हैं कि, पोस्टकार्ड का विचार सबसे पहले ऑस्ट्रियाई प्रतिनिधि कोल्बेंस्टीनर के दिमाग में आया था, जिन्होंने इसके बारे में वीनर न्यूस्टॉ में सैन्य अकादमी में अर्थशास्त्र के प्रोफेसर डॉ. एमैनुएल हर्मेन को बताया।

'दोनों संगठनों के एकीकरण के बाद संगठन अब संशोधित नियमावली के आधार पर लोकतांत्रिक प्रक्रिया से संचालित होगा' : डॉ. हरेंद्र कुमार राय, संरक्षक, फुपुक्टा

लखनऊ,(संवाददाता)। उत्तर प्रदेश विश्वविद्यालय महाविद्यालय शिक्षक महासंघ (फुपुक्टा) की ओर से आज एक प्रेस वार्ता का आयोजन उत्तर प्रदेश प्रेस क्लब, हजरतगंज, लखनऊ में किया गया। इस प्रेस वार्ता में फेडरेशन के पदाधिकारियों ने संयुक्त रूप से बयान जारी किया और अनुदानित महाविद्यालय के शिक्षकों की विभिन्न समस्याओं से संबंधित मांग-पत्र व भावी आन्दोलन की रणनीति को विस्तारपूर्वक बताया। अपने बयान में उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में उच्च शिक्षक आन्दोलन में ढाई दशक पूर्व किन्हीं कारणों से एक बड़ा बिखराव हुआ था जिसके चलते शिक्षक आन्दोलन दो धड़ों स्वक्टा और स्वक्टा (रजिस्टर्ड) में विभाजित हो गया था। ढाई दशक बाद आज फिर स्वक्टा के दोनों संगठनों का विलय और एकीकृत कार्यकारिणी बनना बेहद सुखद और शिक्षक आन्दोलन के लिए नई ऊर्जा प्रदान करने वाला है। एकीकरण के बाद फेडरेशन की प्रबंध कार्यकारिणी सूची को डिप्टी रजिस्ट्रार फर्म्स, सोसाइटीज एवं चिट्स, लखनऊ द्वारा पंजीकृत/मान्यता प्रदान कर दी गई है। वर्तमान समय में उच्च शिक्षा और उच्च शिक्षक आन्दोलन अनेक गंभीर चुनौतियों का सामना कर रहा है। ऐसी परिस्थिति में शिक्षकों के अधिकारों, सम्मान तथा हितों की प्रभावी रक्षा के लिए एक सशक्त, संगठित, संघर्षशील, लोकतांत्रिक एवं प्रभावी शिक्षक संगठन की आवश्यकता पहले से कहीं अधिक है। ऐसे समय में फुपुक्टा के दोनों धड़ों का एक हो जाना यह विश्वास जगाता है कि उत्तर प्रदेश के शिक्षक आन्दोलन को नई दिशा, नई शक्ति एवं व्यापक एकता प्रदान करेगा तथा शिक्षकों के शैक्षणिक, व्यावसायिक एवं सेवा संबंधी हितों की अधिक प्रभावी ढंग से रक्षा सुनिश्चित होगी। फुपुक्टा (रजिस्टर्ड) तथा फुपुक्टा ने अपनी-अपनी प्रबंध कार्यकारिणियों से इस विलय का प्रस्ताव पारित करने के बाद एक लंबी प्रक्रिया पूर्ण करते हुए दोनों संगठनों को मिलाकर एकीकृत प्रबंध कार्यकारिणी का गठन किया।

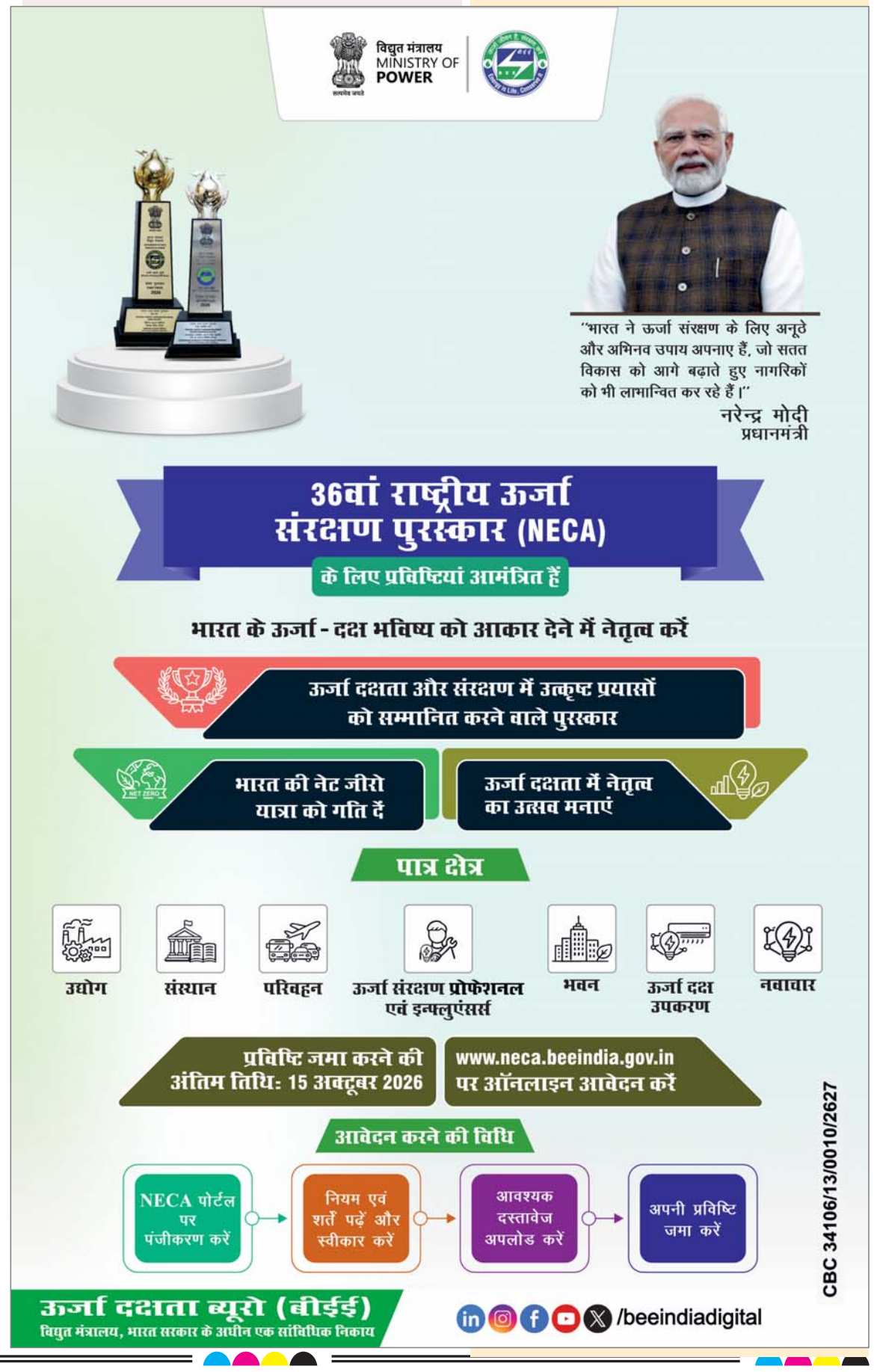

पितृसत्ता के खिलाफ लड़कियों ने की आवाज बुलंद

केंद्र की मोदी सरकार और दिल्ली की रेखा गुप्ता सरकार के लिए कितने शर्म की बात है कि लड़कियों को बेखौफ सड़कों पर निकलने की आजादी को लेकर आवाज उठानी पड़ रही है। महिला सशक्तीकरण और बेटी बचाने के जितने नारे भाजपा ने गढ़े हैं, वो सब मौजूदा माहौल में ढेर होते दिख रहे हैं। महिला सुरक्षा के लिहाज से दिल्ली की गिनती सर्वाधिक असुरक्षित शहरों में होती है। दिल्ली पुलिस के आंकड़ों के मुताबिक 2013 से 2025 के बीच राजधानी में 26,582 रेप केस दर्ज हुए हैं। आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक भारत में हर दिन करीब यौन हिंसा के करीब 80 मामले दर्ज होते हैं। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो और राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण के आंकड़ों का विश्लेषण बताता है कि देश के 90 प्रतिशत ऐसे मामले तो कभी दर्ज ही नहीं होते। निर्भया कांड जब हुआ था, तो उसने पूरे देश को हिला दिया था। सड़कों पर उतर कर लोगों ने तत्कालीन यूपीए और कांग्रेस सरकार के खिलाफअपना गुस्सा जाहिर किया था। लेकिन वो दौर अलग था, कांग्रेस ने इस गुस्से का सामना जनभावनाओं का सम्मान करते हुए किया और साथ ही निर्भया के परिवार को निजी तौर पर राहुल गांधी ने मदद की और सरकार ने अपराधियों पर कड़ी कार्रवाई की। आज सरकार से ऐसी उम्मीदें करना बेकार है। बल्कि दिल्ली के सार्वजनिक पार्क आस्था कुंज में 21 सितंबर को खुद को पुलिसकर्मी बताकर तीन पुरुषों ने एक नाबालिग का बलात्कार किया और घटना के बाद डीडीए ने सलाह दी कि सूरज ढलने के बाद पार्क में किसी को जाने की इजाजत नहीं होगी। यह वारदात लेडी श्रीराम कॉलेज के पास हुई तो कॉलेज ने 22 सितंबर को ऑनलाइन क्लास ही लगा दी। जिसके बाद लेडी श्रीराम, गार्गी कॉलेज, मिरांडा हाउस समेत कई कॉलेजों की छात्राएं इन घटनाओं के खिलाफसड़कों पर निकल आईं। अब दिल्ली के अलग-अलग हिस्सों में प्रदर्शन हो रहे हैं और कई सार्वजनिक पार्कों में लड़कियां और महिलाएं धरने पर बैठीं। ठीक ऐसा ही माहौल 2016 में भी बना था, तब श्ब्लैंक नॉइजश् नाम की संस्था के तहत लड़कियों ने सार्वजनिक पार्कों में रात को बैठना शुरु किया था। मकसद था सार्वजनिक स्थानों में लड़कियों को सुरक्षित महसूस करवाना और उन्हें यह एहसास दिलाना कि ये जगहें उनकी भी उतनी ही हैं जितनी पुरुषों की। लेकिन दस साल बाद भी दिल्ली क्या पूरे देश के हालात ऐसे ही हैं कि अंधेरा होने पर वक्त पर नहीं जा सकतीं? अगर सार्वजनिक जगहों पर यौन हिंसा की घटनाएं होती हैं तो क्या इसका उपाय यह है कि लड़कियों को वहां जाने से ही मना कर दिया जाए? छात्राओं का कहना था कि सुरक्षा के नाम पर लड़कियों के पार्कों में प्रवेश पर रोक लगाना समस्या का समाधान नहीं है। हालांकि अब डीडीए ने रविवार देर शाम स्पष्टीकरण जारी किया है कि पार्कों में आने वाले लोग पहले से निर्धारित समय के अनुसार उनका इस्तेमाल जारी रख सकते हैं। सूर्यास्त के बाद सुनसान या कम रोशनी वाले स्थानों पर नहीं जाने की सलाह केवल सुरक्षा के दृष्टिकोण से दी गई है। इससे पार्कों के खुलने और बंद होने के निर्धारित समय में कोई बदलाव नहीं किया गया है और तय समय के भीतर पार्कों में आने-जाने पर कोई रोक नहीं है। लेकिन सवाल यही है कि चाहे स्थान सुनसान हो या भीड़-भाड़ वाला हो, अंधेरा हो या उजाला हो, घर हो, दफ्तर-कॉलेज-स्कूल हो या सड़क हो, हर जगह, हर तरीके से, हर उम्र की लड़कियां सुरक्षित क्यों नहीं हैं। इसका जवाब यही समझ आता है कि समाज में लड़कियों का सम्मान करने और उनके साथ बराबरी का व्यवहार करने की तमीज नगण्य है। गिने-चुने लोग ही होंगे जो लड़कियों को उनकी शारीरिक संरचना से परे केवल इंसानों के तौर पर देखें और वैसा ही व्यवहार करें जो एक इंसान को दूसरे इंसान से करना चाहिए। भारत के समाज में तो सुरक्षा के नाम पर लड़कियों की तरह-तरह की बंदिशें थोपीं गई हैं और इस तरह लड़कों के उच्छृंखल व्यवहार को और बढ़ावा दिया जाता है। अभी जमुई जिले में नाबालिग का उत्पीड़न कर, सोशल मीडिया पर उसका वीडियो वायरल कर दिया गया था, इस मामले में कई ऐसे वीडियो भी सामने आए जहां आरोपियों के गांव वालों ने उनका साथ दिया और कहा कि गलती उस लड़की की थी जो अंधेरे में एक लड़के के साथ घूम रही थी। यानी महिलाओं के साथ अपराध हो तो सजा पीड़िता को ही मिले और अपराधी खुले घूमते रहें। राहुल गांधी ने पुणे में पितृसत्ता खत्म करो, पिंजड़ा तोड़ो का आह्वान किया था और अब उन्होंने एक बार फिर कहा है कि पूरे देश में महिलाएं सड़कों पर चलने से डरती हैंय उन्हें उत्पीड़न और बलात्कार का डर रहता है और सरकार का जवाब क्या है? घर पर रहो। यह पितृसत्ता का असर है, एक ऐसा सिस्टम जो पीड़ित को ही दोषी ठहराता है और अपराधी को बचाता है। अब इसे खत्म करने का समय आ गया है। इसका समाधान महिलाओं को घर में बंद करना नहीं है। समाधान है हमारी सड़कों को सुरक्षित बनाना, महिलाओं के साथ बुरा बर्ताव करने वाले पुरुषों की सोच का सामना करना, और उन लोगों को सजा देना जो उन पर हमला करते हैं- बिना किसी देरी और बिना किसी रियायत के। हजारों छात्र और युवा सड़कों पर उतरकर महिलाओं की सुरक्षा की मांग कर रहे हैं। मैं और भी ज्यादा युवा महिलाओं, खासकर पूरे भारत की जेन जी से अपील करता हूं कि वे बड़ी संख्या में बाहर आएं। यह सरकार आपके दर्द के प्रति बहरी है और तभी सुनेगी जब उस पर दबाव डाला जाएगा। शांतिपूर्ण विरोध आपका लोकतांत्रिक अधिकार है, और मैं पूरे दिल से आपके साथ खड़ा हूं।

कायदे से जो कुछ राहुल गांधी ने कहा, वह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को कहना चाहिए था। लेकिन उन्हें महिला सुरक्षा का इतना ही ख्याल रहता तो आज वो हालात बनते ही नहीं जो दिल्ली से लेकर पूरे देश में बने हुए हैं।

संम्पादकीय

महिला सुरक्षा का संकट

यह हमारे लोकतंत्र की विडंबना है कि कार्यपालिका की लचर कार्यशैली के चलते गाहे-बगाहे न्यायालय को उन मामलों में हस्तक्षेप करना पड़ता है, जिनका दायित्व निभाना सरकारों का काम है। वैसे कहने को तो पूरे देश में महिलाओं व बच्चों की सुरक्षा के लिये तमाम कायदे-कानून बनाए गए हैं। लेकिन जब इन कानूनों व योजनाओं को हकीकत में अमलीजामा पहनाने की बात सामने आती है तो जवाबदेही का अंतर साफ नजर आता है। हाल के दिनों में दिल्ली व राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में महिलाओं के साथ हुए दुष्कर्म के मामलों पर स्वतरू संज्ञान लेकर शीर्ष अदालत ने इस कड़वी हकीकत को उजागर कर दिया। इन मामलों में शीर्ष अदालत ने सिर्फयही नहीं पूछा कि ये संगीन अपराध क्यों हुए, बल्कि यह भी जानना चाहा कि इन अपराधों को रोकने के लिये बनाया गया सिस्टम क्या हकीकत में कुछ काम करता है? कोर्ट का सवाल था कि क्या वास्तव में आपातकाल में मदद करने वाली हेल्पलाइन तुरंत जवाब देती है? क्या सीसीटीवी कैमरे पूरी मुस्तैदी के साथ काम कर रहे हैं? क्या महिलाओं के लिये असुरक्षित समझी जाने वाली जगहों को पहचान करके वहां पेट्रोलिंग की जाती है? क्या महिलाओं को सुरक्षा प्रदान करने के लिये बने डेटाबेस, महिलाओं के लिये हेल्प डेस्क और जांच करने में मददगार ट्रैकिंग सिस्टम का कारगर तरीके से प्रयोग हो रहा है? शीर्ष अदालत का यह सवाल तार्किक है कि जब ये सिस्टम फेल हो जाता है तो विफलता के लिये किसी की जवाबदेही तय की जाती है? निस्संदेह, अदालत ने तंत्र की दुखती रग पर हाथ रखा है। सही मायने में ये सवाल हर किसी को परेशान करने वाले हैं। यह हकीकत है कि देश में नये-नये सुरक्षा कार्यक्रमों की घोषणा करने, पोर्टल, हेल्पलाइन और कमेटियां बनाने में तो कोई कोर-कसर नहीं छोड़ी जाती है, लेकिन सवाल यह है कि क्या किसी समस्या के निस्तारण के लिये कोई सिस्टम या मैकेनिज्म बना देना ही कर्तव्यों की इतिश्री मान लिया जाए? उल्लेखनीय है कि अक्सर आम लोगों द्वारा शिकायत की जाती रही है कि सुरक्षा की दृष्टि से संवेदनशील सड़कों पर स्ट्रीट लाइट की व्यवस्था नहीं होती, सीसीटीवी कैमरे पूरी तरह से काम नहीं कर रहे होते हैं। वहीं दूसरी ओर इस बाबत की गई शिकायतें अक्सर फाइलों में उलझकर रह जाती हैं। कहने को ऐसे अपराधों को रोकने वाला सिस्टम फाइलों में तो दर्ज होता है, लेकिन जब वास्तव में किसी व्यक्ति को इसकी जरूरत होती है, तो यह हमेशा की तरह नदारद मिलता है। ऐसे में देश की शीर्ष अदालत द्वारा सुरक्षा उपायों के ऑडिट, व्यवस्था की कमजोरियों की पहचान, किसी घटना के होने पर प्रतिक्रिया देने के समय और कार्यक्षमता के मूल्यांकन पर जोर देना, एक स्वागत योग्य कदम ही कहा जायेगा। सही मायने में ऐसे मामलों में सिर्फपुलिस को ही जिम्मेदार नहीं ठहराया जाना चाहिए। ऐसे में सड़कों में स्ट्रीट लाइट न होने पर म्युनिसिपल एजेंसियां, ट्रांसपोर्ट अथॉरिटी, प्रशासक, तकनीक उपलब्ध कराने वाले विभाग और न्याय व्यवस्था आदि सभी सुरक्षा शृंखला का हिस्सा हैं। निर्विवाद रूप से किसी भी एक स्तर पर विफलता के गंभीर परिणाम सामने आ सकते हैं। दिल्ली के बहुचर्चित निर्भया प्रकरण के चौदह

बढ़ती उम्र, सिकुड़ती संवेदना

डॉ. मनीष कुमार चौधरी
****

वृद्ध होना जीवन की स्वाभाविक प्रक्रिया है लेकिन वृद्धावस्था को सम्मान के साथ जी पाना आज एक सामाजिक चुनौती बनता जा रहा है। मनुष्य की सबसे बड़ी उपलब्धियों में से एक उसकी बढ़ती जीवन-प्रत्याशा है। चिकित्सा विज्ञान, पोषण, तकनीक और जीवन-स्तर में सुधार ने मनुष्य को अधिक लंबे समय तक जीने का अवसर दिया है। लेकिन एक विडंबना हमारे सामने है- हमने जीवन को लंबा तो कर दिया पर क्या हमने उस लंबे जीवन को सम्मान, सुरक्षा, आत्मीयता और अर्थ भी दिया है?दुनिया तेजी से वृद्ध हो रही है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार साल 2023 में दुनिया में 60 वर्ष और उससे अधिक आयु के लगभग 1.1 अरब लोग थे। यह संख्या साल 2050 तक बढ़कर लगभग 2.1 अरब होने का अनुमान है। यानी आने वाले पच्चीस वर्षों में दुनिया में बुजुर्गों की संख्या लगभग दोगुनी हो जाएगी। साल 2030 तक दुनिया का हर छहवां व्यक्ति 60 वर्ष या उससे अधिक आयु का होगा। साल 2050 तक दुनिया के लगभग 80 प्रतिशत बुजुर्ग निम्न और मध्यम आय वाले देशों में रह रहे होंगे। यह केवल जनसंख्या का आंकड़ा नहीं है। यह आने वाले समाज की संरचना में होने वाले एक बड़े बदलाव का संकेत है। दुनिया के सामने अब प्रश्न केवल यह नहीं है कि बढ़ती आबादी को रोजगार कैसे दिया जाए, बल्कि यह भी है कि बढ़ती वृद्ध आबादी को स्वास्थ्य, सामाजिक सुरक्षा, सम्मान और जीवन की गरिमा कैसे दी जाए। भारत इस परिवर्तन के बीच एक विशेष स्थिति में खड़ा है। आज भारत को दुनिया के युवा देशों में गिना जाता है लेकिन यह स्थिति हमेशा नहीं रहने वाली। संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष (यूएनएफपीए) के अनुसार भारत में 60 वर्ष और उससे अधिक आयु की आबादी साल 2021 में लगभग 10.1 प्रतिशत थी, जो 2050 तक बढ़कर करीब 20 प्रतिशत हो सकती है। यूएनएफपीए के एक हालिया आकलन के अनुसार साल 2050 तक भारत में लगभग 34.6 करोड़ लोग 60 वर्ष से अधिक आयु के हो सकते हैं। इसका अर्थ है कि जिस भारत की आज चर्चा युवा आबादी और जनसांख्यिकीय लाभांश के कारण होती है, उसे उसी समय अपनी वृद्ध होती आबादी के भविष्य की भी तैयारी करनी होगी। हमने वृद्धावस्था को लंबे समय तक मुख्यतः शारीरिक कमजोरी और बीमारी से जोड़कर देखा है। यह दृष्टि अधूरी है। वृद्धावस्था का संबंध व्यक्ति की सामाजिक भूमिका, आर्थिक स्वतंत्रता, पारिवारिक संबंधों, मानसिक स्वास्थ्य और आत्मसम्मान से भी है। किसी व्यक्ति की उम्र बढ़ जाने का अर्थ यह नहीं कि उसका सामाजिक महत्व समाप्त हो गया। उसके पास जीवन का वह अनुभव होता है, जिसे कोई पुस्तक, कोई तकनीक और कोई कृत्रिम बुद्धिमत्ता पूरी तरह प्रतिस्थापित नहीं कर सकती। उसने परिवार बनाए हैं, संस्थाएं खड़ी की हैं, समाज को अपना श्रम दिया है और अगली पीढ़ियों के लिए रास्ते बनाए हैं। फिर ऐसा क्यों है कि जब वही व्यक्ति वृद्ध होता है तो कई बार उसकी उपयोगिता पर प्रश्नचिह्न लगने लगता है? 'उन्होंने तो अपना जीवन जी लिया', 'अब बच्चों को अवसर मिलना चाहिए' या 'अब इनसे क्या काम' जैसी धारणाएं केवल सामान्य बातचीत का हिस्सा नहीं हैं। इनके पीछे एक ऐसी उपयोगितावादी मानसिकता है जिसमें मनुष्य का मूल्य उसकी आर्थिक उत्पादकता से तय होने लगता है। यदि किसी व्यक्ति का मूल्य केवल उसकी कार्यक्षमता से निर्धारित होगा तो बीमारी, विकलांगता और वृद्धावस्था अपने आप समाज के हाशिये पर चली जाएंगी। मनुष्य की गरिमा उसकी उत्पादकता से बड़ी है।वृद्धावस्था की सबसे बड़ी चुनौतियों में अकेलापन तेजी से सामने आ रहा है। संयुक्त परिवारों के कमजोर होने, बच्चों के रोजगार के लिए दूसरे शहरों या देशों में चले जाने और जीवन की बढ़ती व्यस्तता ने बुजुर्गों की सामाजिक दुनिया को छोटा किया है। एक घर में चार लोग रहते हैं लेकिन चारों की दुनिया अलग-अलग है। बुजुर्ग व्यक्ति के पास समय है, जबकि परिवार के बाकी सदस्यों के पास समय का अभाव। यही विरोधाभास कई बार एक ही छत के नीचे रहते हुए भी भावनात्मक दूरी पैदा करता है विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार अकेलापन और सामाजिक अलगाव वृद्धावस्था में मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं के महत्वपूर्ण जोखिम कारक हैं। डब्ल्यूएचओ के 2026 के आंकड़ों के अनुसार लगभग हर छह में से एक बुजुर्ग व्यक्ति दुर्व्यवहार का अनुभव करता है और 70 वर्ष या उससे अधिक आयु के लगभग 15 प्रतिशत वयस्क किसी मानसिक स्वास्थ्य समस्या के साथ जीवन जीते हैं। इसलिए वृद्धावस्था की देखभाल केवल दवा देने तक सीमित नहीं हो सकती। बुजुर्गों को बातचीत चाहिए, सामाजिक सहभागिता चाहिए, निर्णयों में भूमिका चाहिए और सबसे बढ़कर यह विश्वास चाहिए कि वे परिवार के लिए अब भी महत्वपूर्ण हैं। आर्थिक असुरक्षा का दूसरा चेहरा भी कम चिन्ताजनक नहीं हैढ्ढ वृद्धावस्था तब और कठिन हो जाती है जब उसके साथ आर्थिक निर्भरता जुड़ जाती है। हर बुजुर्ग पेंशनभोगी नहीं है। हर व्यक्ति के पास बचत या संपत्ति नहीं है। भारत में बड़ी संख्या ऐसे वृद्धों की है जिनका जीवन परिवार की आय पर निर्भर है। यूएनएफपीए की भारत एजिंग रिपोर्ट 2023 के अनुसार भारत के 40 प्रतिशत से अधिक बुजुर्ग सबसे गरीब आर्थिक वर्ग में आते हैं और लगभग 18.7 प्रतिशत बुजुर्गों के पास कोई आय नहीं है। रिपोर्ट ने यह भी रेखांकित किया है कि आर्थिक असुरक्षा का सीधा असर स्वास्थ्य और जीवन की गुणवत्ता पर पड़ता है। यहां वृद्धावस्था और गरीबी एक-दूसरे को और कठिन बना देते हैं। दवा महंगी है तो भोजन में कटौती होती है। अस्पताल जाना है तो परिवहन की समस्या सामने आती है। पेंशन नहीं है तो छोटी से छोटी जरूरत के लिए किसी दूसरे पर निर्भर रहना पड़ता है। वृद्धावस्था में आर्थिक स्वतंत्रता केवल सुविधा नहीं, आत्मसम्मान का भी आधार है वृद्धावस्था का एक महत्वपूर्ण लेकिन अक्सर अनदेखा पक्ष वृद्ध महिलाओं की स्थिति है। महिलाओं की जीवन प्रत्याशा सामान्यतः पुरुषों से अधिक होती है। इसका अर्थ यह भी है कि वे अधिक वर्षों तक वृद्धावस्था में जीवन जी सकती हैं लेकिन कई बार विधवापन, संपत्ति पर सीमित अधिकार और आर्थिक निर्भरता के साथ। यूएनएफपीए की भारत संबंधी रिपोर्टों में वृद्ध महिलाओं की आर्थिक और सामाजिक असुरक्षा को विशेष चिंता के रूप में रेखांकित किया गया है। 80 वर्ष और उससे अधिक आयु की आबादी के बढ़ने के साथ अत्यधिक वृद्ध, विधवा और अधिक निर्भर महिलाओं की संख्या भी बढ़ने की संभावना है। इसलिए वृद्धावस्था की नीति को केवल 'बुजुर्गों' की एक समान श्रेणी मानकर नहीं बनाया जा सकता। वृद्ध पुरुष और वृद्ध महिला की सामाजिक परिस्थितियां कई मामलों में अलग होती हैं महानगरों में रहने वाले बुजुर्गों की समस्या का एक चेहरा है- सुविधाओं के बीच अकेलापन। बेहतर अस्पताल, निजी स्वास्थ्य सेवाएं, परिवहन और मनोरंजन के साधन उपलब्ध हो सकते हैं लेकिन परिवार और समुदाय का समय कम हो सकता है। इसके विपरीत ग्रामीण जीवन में आज भी कई जगह सामाजिक संबंध अधिक मजबूत दिखाई देते हैं। लेकिन वहां स्वास्थ्य सुविधाओं, परिवहन, पेंशन और नियमित देखभाल की समस्याएं अधिक गंभीर हो सकती हैं। युवाओं के रोजगार के लिए शहरों की ओर पलायन ने ग्रामीण बुजुर्गों की एक नई पीढ़ी को अकेलेपन की ओर धकेला है। इसलिए यह मान लेना उचित नहीं कि गांव में वृद्धावस्था आसान है और शहर में कठिन।

आज का राशिफल

निकट संबंधों में शंकाओं को हावी न होने दें। भौतिक आकांक्षाओं की पूर्ति होने के आसार बनेंगे। नौकरी का वातावरण सुखद होगा। सगे-संबंधों में प्रगाढ़ता बढ़ेगी।	संबंधों में कटु वचनों का प्रयोग न करें। माता के स्वास्थ के प्रति सचेत रहें। अच्छे कायरे द्वारा प्रशंसा के पात्र बनेंगे। राजनीति से जुड़े लोगों को ग्रहों की अनुकूलता का लाभ मिलेगा।
आर्थिक क्षेत्र में लाभ के आसार हैं। अवरोधित कार्य हल होंगे। योजनाओं के फलीभूत होने से मन प्रसन्न होगा। विद्यार्थियों के लिए ग्रहों की अनुकूलता लाभप्रद होगी।	बीती बातों को भूलने की कोशिश करें। रोजगार में कुछ अच्छे अवसर मिलेंगे। भौतिक इच्छाएं बलवती होंगी। अभिभावकों के भावनात्मक सहयोग से उत्साह में वृद्धि होगी।
नकारात्मक चिंताओं का त्याग करें। महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां अपनी पूर्ति हेतु मन पर दबाव बनाएंगी। वर्तमान में आपको सकारात्मक सोच के साथ सकारात्मक दिशा में प्रयास करना चाहिए।	महत्वाकांक्षाएं मन पर प्रभावी होंगी। घरेलू कायरें में अत्याधिक व्यय का योग है। कार्यक्षेत्र में व्यस्तता बढ़ेगी। परिवार में सुखद स्थिति प्रसन्नता लाएगी।
किसी नये कार्य की ओर आपका रुझान बढ़ेगा। किसी महत्वपूर्ण फैसले के लिए मन केंद्रित होगा। नवीन योजनाओं द्वारा प्रगति होगी। जीवन साथी के साथ मधुरता कायम रखें।	परिश्रम का समुचित लाभ प्राप्त होगा। पारिवारिक वातावरण सुखद व उत्साहपूर्ण होगा। महत्वपूर्ण योजनाओं के क्रियान्वयन हेतु प्रयत्न तीव्र होगा।
मन सुंदर कल्पनाओं से प्रभावित रहेगा। नये संबंधों के प्रति निकटता बढ़ेगी। उपस्थित साधनों में सन्तुष्ट व तृप्त होने का प्रयत्न करें। जीवन साथी के स्वास्थ्य के प्रति सतर्कता अपेक्षित है।	राजनीति से जुड़े लोगों के लिए समय अनुकूल रहेगा। अच्छे कायरे के लिए प्रशंसनीय होंगे। शासन-सत्ता से लाभ के अवसर प्राप्त होंगे। कोई महत्वपूर्ण निर्णय लेने में मन दुविधाग्रस्त होगा।
विभागीय परिवर्तनों से कुछ दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है। अपने अन्दर धैर्य व वाणी में मधुरता लावें। कुछ नई अभिलाषाएं मन में जागृत होंगी। प्रियजनों का सनिध्य प्राप्त होगा।	आवेश में किये गये कार्य से कष्ट संभव। भावनात्मक समस्याओं पर सगे-संबंधियों के बीच खुलकर बात करें। कुछ नये उत्साह व कार्य क्षमता की अनुभूति करेंगे।

गांधी–प्रश्न : हम कहां खड़े हैं ?

गिरीश्वर मिश्र
****

महात्मा गांधी का स्मरण एक कृतज्ञ राष्ट्र द्वारा राष्ट्रपिता को सम्मान देने मात्र की बात ही नहीं बल्कि आज के बर्बर होते समय की खास मानवीय जरूरत है। चीजों की अनुपस्थिति या अभाव भी उस चीज के ज्ञान का कारण बनता है। आज के दौर में जब धैर्य, सत्य, अहिंसा, करुणा, भाई-चारा, सहयोग, पारस्परिकता और विश्वास जैसे शब्द दैनिक जीवन में प्रयोग के हिसाब से बाहर होते जा रहे हैं तो उनकी जरूरत भी शिद्दत से महसूस हो रही है। ऐसे क्षणों में गांधी प्रासंगिक हो उठते हैं । उनका जीवन मानवीय चेतना के रूपांतरण की एक असाधारण कोशिश के रूप में सभ्य जगत के आधुनिक इतिहास में दर्ज मिसाल बन गया है। भारत के सच्चे प्रतिनिधि के रूप उनका कर्मठ जीवन और चिंतन आज भी प्रेरित करता है। दक्षिण अफ्रीका में हुए सत्य के उन्मेष और आत्म-साक्षात्कार के साथ गांधी जी के जीवन में सात्विक किस्म के संघर्ष की नींव पड़ी। इस संघर्ष का आधार था अपने देश-काल की चेतना की ओर एक प्रश्नाकुल दृष्टि से देख पाना । गांधी जी खुद से, अपने समाज से, औपनिवेशिक अंग्रेज सरकार से और प्रभुरूपी बैठी अंग्रेजी सभ्यता से लगातार प्रश्न पूछते रहे। वे सब कुछ जांचते-बूझते रहे और अपने लोकधर्मी विवेक से उठ रहे सवालों के जबाव तलाशने में लगे रहे, पर वे यहीं नहीं रुके।अपने वैचारिक मंथन से उपजे निष्कर्षों को व्यवहार और आचरण में उतारने की उनकी जिद थी। यह उनकी फितरत या आदत हो गई थी जिसे वे 'प्रयोग' कहते थे । अपने निजी जीवन में खान-पान, स्वास्थ्य और सैर-सपाटे आदि को लेकर भी वे प्रयोगशील बने रहे । उनके जीवन में प्रश्न उठाना और उनसे टकराने का सिलसिला लगातार चलता रहा । यह तत्कालीन नस्लवाद और साम्राज्यवाद से प्रश्न और टकराव ही था जिसने सुदूर दक्षिण अफ्रीका में आठ साल लंबे सत्याग्रह का रूप लिया। यह अपने किस्म की शायद विश्व का पहली अहिंसात्मक प्रतिरोध वाली लड़ाई रही होगी। अन्याय के प्रतिकार की इस नई लड़ाई में उन्होंने जन-चेतना जगाने के लिए कई तरह की पहल की। उन्होंने बहुभाषी अखबार निकाला और संवाद की राह बनाई। सामाजिक चेतना जगाने के कई कार्य किए । उनका ॠहिन्द स्वराजॠ इस तरह की प्रखर टकराहट का दस्तावेज बन गया। यह उनका हृदय-संवाद था । इस पुस्तक में उन्होंने अपनी मातृभाषा में विचार व्यक्त किए। बेहद सीधी और सरल गुजराती में गांधी जी ने यह स्पष्ट किया कि एक समुदाय के रूप में हम कहां खड़े हैं ? हम क्या देख रहे हैं ? और हमें क्या कुछ नहीं दिख रहा है ? वह हमारी दृष्टि के धुंधलके को साफ कर रहे थे क्योंकि दृष्टि तो स्पष्ट होनी ही चाहिए। यह अकारण नहीं है कि 'हिन्द स्वराज' का गठन प्रश्नों और उनके उत्तर के रूप में रचा गया है । इसे कृष्ण और अर्जुन के संवाद की तरह संवाद-शृंखला भी कहा जा सकता है ।स्मरणीय है कि तब दुनिया में पश्चिम की सभ्यता का निष्कंटक वर्चस्व स्थापित था। गांधी जी ने निर्भयता के साथ उसकी परीक्षा सर्वजनी मानवीय धरातल पर की और बड़े कड़े शब्दों उसकी सीमाओं को बड़े स्पष्टता से उजागर किया । उनके अपने अवलोकन में आधारभूत जरूरतों और आत्मिक विकास की दृष्टि से पश्चिमी सभ्यता केवल अधूरी ही नहीं थी, वह जीवन और जगत की विरोधी भी दिखी । दक्षिण अफ्रीका के लंबे प्रवास से भारत लौटने के बाद गांधी जी ने सक्रिय राजनीति में भाग लिया और शेष कथा से हम सब परिचित हैं। उनकी चिंता में समग्र भारत रहता था। उन्होंने भारत के आर्थिक विकास का प्रश्न उठाया और अपने सोच-विचार के आधार पर भविष्य का एक नक्शा बनाया। इस सोच में 'ग्राम स्वराज' तथा 'चरखा' और 'खादी' द्वारा जन भागीदारी के साथ आर्थिक बदलाव लाने पर बल दिया गया। वह प्रश्न उठाते हैं कि सामर्थ्य का लोकतंत्रीकरण कैसे हो ? इसके लिए वे एक विकेंद्रीकरण की ओर उन्मुख व्यवस्था का उद्घोष कर रहे थे। इसी तरह 'बुनियादी तालीम' भी समग्र-शिक्षा के प्रश्न का उत्तर था। वह ऐसी शिक्षा चाहते थे जो मन, बुद्धि, शरीर और आत्मा सबका भलीभांति ख्याल रख सके। कहा जा सकता है कि गांधी जी की 'रचनात्मक-कार्यक्रम' की अवधारणा देश की सारी जनता की आवश्यकताओं को ध्यान में रख कर उसके बहुमुखी कल्याण के प्रश्न का उत्तर थी । उपर्युक्त सभी नवाचारों में गांधी जी देश में स्थित हो कर देश को देश की नजर से देखने की कोशिश कर रहे थे । वे अग्रगामी चिंतक थे। जीवन के अंतिम क्षणों में भी वे देश के भविष्य के प्रश्न से उलझते रहे। अपने देहावसान के चार घंटे पहले जो अंतिम वसीयत उन्होंने लिखाई उसमें कांग्रेस को भंग कर 'लोक सेवक संघ' बनाने को कहा । वह राजनैतिक लड़ाई जिसमें अंग्रेजों को उनके राज से बेदखल कर भारत से बाहर करने का उद्देश्य था स्वराज की लड़ाई का सिर्फ एक अंश था । सामाजिक, नैतिक और आर्थिक मोर्चों पर लड़ाई बाकी थी और स्वतंत्रता को हथियार बना कर वह उसे लड़ाई को जारी रखना चाहते थे। गांधी जी ने भारत के लिए ॠस्वराजॠ का स्वप्न देखा जिसमें देश में स्वत्व की प्रतिष्ठा थी। वह देश में सिर्फ राजनैतिक आजादी ही नहीं बल्कि सामाजिक, सांस्कृतिक और आत्मिक स्वायत्तता को भी मौजूद देखना चाहते थे । गांधी जी का सारे संघर्ष और प्रयास प्रश्नों के ताने-बाने के साथ गुंथे गए थे। गांधी जी के आगे के सामाजिक जीवन का एजेंडा 'हिन्द स्वराज' या भारतीय स्व शासन की मूल अवधारणा के इर्द-गिर्द ही घूमता रहा। तीस साल बाद जब उन्नीस सौ अड़तीस में हिन्द स्वराज का नया संस्करण आने को था तो पूछे जाने पर उन्होंने यही कहा कि इसमें किसी तरह के खास बदलाव की जरूरत नहीं है। महात्मा जी को इस बात का सदा अहसास रहता था कि वह कहां खड़े हैं और इस देश काल का परिदृश्य बड़ा व्यापक था। इंग्लैंड और दक्षिण अफ्रीका में जीवन जीते हुए उन्होंने मानव-सत्य के अच्छे बुरे विविध रूपों का गहनता से साक्षात्कार किया था ।

'सत्य' और 'अहिंसा' के यथार्थ और उनमें निहित शक्ति को भारत के मौलिक चिंतन के अध्ययन से स्वयं उपार्जित किया था। वे बाइबिल और कुरान से परिचित थे पर गीता, उपनिषद, रामायण और लोक-जीवन उनके प्रमुख विचार-श्रोत बने रहे ।

सिलिंडर के लिए 20 हजार उपभोक्ताओं की बुकिंग रद्द, तय समय सीमा में अपडेट नहीं कराई ई-केवाईसी

कानपुर । कानपुर जिले में 30 सितंबर की अंतिम समय सीमा बीत जाने के बाद भी जिले के 1.88 लाख उपभोक्ताओं ने अपनी ई-केवाईसी अपडेट नहीं कराई, जिसके चलते बुधवार देर शाम बिना ई-केवाईसी कराए सिलिंडर बुक कराने वाले करीब 20 हजार उपभोक्ताओं की बुकिंग रद्द कर दी गई।

कानपुर जिले के 1.88 लाख गैस उपभोक्ताओं ने 30 सितंबर की तय समय सीमा में ई-केवाईसी अपडेट नहीं कराई है। इनमें करीब 20 हजार उपभोक्ताओं की बुधवार देर शाम बुकिंग भी निरस्त कर दी गई है। अब सिलिंडर के लिए पहले ईकेवाईसी अपडेट करानी होगी। जिले में इंडियन ऑयल, भारत पेट्रोलियम और हिंदुस्तान पेट्रोलियम के करीब 11.55 लाख एलपीजी कनेक्शन हैं।इनमें 11,774 कनेक्शन व्यावसायिक हैं। करीब 9.56 लाख उपभोक्ताओं ने ई-केवाईसी करा ली है। करीब 1.88 लाख उपभोक्ता अब भी ई-केवाईसी से बाहर हैं। ऐसे उपभोक्ताओं के लिए 30 सितंबर आखिरी मौका तय किया गया था। इसके बाद भी उपभोक्ताओं ने ध्यान नहीं दिया।

कनेक्शनों की जांच और ई-केवाईसी को लेकर सख्ती बढ़ाई

मार्च में अमेरिका-ईरान संघर्ष के दौरान एलपीजी आपूर्ति को लेकर संकट की आशंका के बीच पेट्रोलियम मंत्रालय ने गैस की उपलब्धता और वितरण व्यवस्था को लेकर कई सख्त कदम उठाए थे। इसके बाद एलपीजी कनेक्शनों की जांच और ई-केवाईसी को लेकर भी सख्ती बढ़ाई गई। फर्जी, निष्क्रिय या एक से अधिक कनेक्शन की पहचान के साथ वास्तविक उपभोक्ता का सत्यापन सुनिश्चित करने के लिए ई-केवाईसी पर जोर दिया गया था।

शासन ने 30 सितंबर तक ईकेवाईसी अपडेट कराने का अंतिम मौका दिया था। अब बिना ईकेवाईसी अपडेट वाले उपभोक्ताओं को सिलिंडर नहीं मिलेगा। पहले ईकेवाईसी करानी होगी। जिन लोगों ने बिना ईकेवाईसी के सिलिंडर बुक करा रखा था उनकी बुकिंग निरस्त कर दी गई है। अब ईकेवाईसी अपडेट

सविता समाज पर बने अश्लील गाने का विरोध, पदाधिकारियों ने पुलिस को सौंपी लिखित तहरीर, जांच शुरू

कानपुर । कानपुर में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर सविता समाज को लेकर बनाए गए एक अश्लील गाने के खिलाफ समाज के लोगों में भारी आक्रोश पनप गया है। अखिल भारतीय सविता महासभा के पदाधिकारियों ने कल्याणपुर थाने पहुंचकर पुलिस को लिखित तहरीर सौंपी है। कानपुर में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर सविता समाज पर बने अश्लील गाने का विरोध शुरू हो गया है। सविता महासभा के पदाधिकारी श्रीराम सविता, सतीश सविता, विष्णु सविता, राहुल सविता, अरविंद सविता और अंजनी सविता ने कल्याणपुर थाने में तहरीर दी है।

जैन समाज ने भव्यता से मनाया क्षमावाणी महापर्व, दो विभूतियों को किया सम्मानित

लोक हस्तक्षेप समाचार

गुरुग्राम । श्री 1008 पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर जैकबपुरा (जैन बारादरी) में श्री दिगंबर जैन मुनि सेवा समिति के तत्वावधान में वार्षिक क्षमावाणी महापर्व श्रद्धा और हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। महापर्व श्वेतांबर जैन समाज से पधारे मुनि संघ के पावन सानिध्य में आयोजित हुआ। इसमें पूज्य रचित मुनि महाराज, विद्याभिलाषी तेजस मुनि महाराज, विद्याभिलाषी नवनीत मुनि महाराज एवं विनीत मुनि महाराज उपस्थित रहे। हरियाणा मानव अधिकार आयोग के सदस्य (न्यायिक) कुलदीप जैन और सेक्टर-14 जैन समाज के प्रधान रविंद्र जैन विशेष अतिथि के रूप में शामिल हुए। समाज के वरिष्ठ पदाधिकारियों ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। श्री 1008 पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर प्रबंध कमेटी के प्रधान नरेश कुमार जैन, उप-प्रधान शैलेंद्र जैन, महामंत्री अशोक कुमार जैन, सह-मंत्री जिनेंद्र जैन, कोषाध्यक्ष प्रदीप जैन ने बताया कि कार्यक्रम की शुरुआत मंत्रोच्चारण के साथ भक्तिमय माहौल में हुई। वामा महिला मंडल की सदस्यों ने सुमधुर मंगलाचरण प्रस्तुत किया, जिसके बाद महिला मंडल द्वारा धार्मिक भजनों पर मनमोहक नृत्य प्रस्तुतियां दी गई। जैन समाज के प्रवक्ता अभय जैन एडवोकेट ने बताया

समारोह में समाज सेवा में उत्कृष्ट योगदान देने वाली दो विभूतियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इनमें मरणोपरांत विशेष सम्मान स्व. पुष्पचंद जैन को दिया गया। वे जैन समाज में लगातार 35 से 40 वर्षों तक मंदिर के प्रधान, महामंत्री और कोषाध्यक्ष जैसे पदों पर निस्वार्थ और ईमानदारी से सेवा करते रहे। उनके परिवार ने यह सम्मान ग्रहण किया। चिकित्सा सेवा सम्मान डॉ. नरेश कुमार जैन को दिया गया। वे हरियाणा सरकार के स्वास्थ्य विभाग में मुख्य चिकित्सा अधिकारी एवं महानिदेशक जैसे सर्वोच्च पदों पर सेवाएं दे चुके हैं। डॉ. नरेश कुमार जैन को उनकी निस्वार्थ चिकित्सा सेवाओं के लिए सम्मानित किया गया। इस आयोजन को सफल बनाने में मंदिर की सहयोगी संस्थाओं जैन युवा संगठन, सन्मार्ग संस्कृति मंच, महिला मंडल और वामा महिला मंडल का विशेष सहयोग रहा। कार्यक्रम में दिगंबर जैन मुनि सेवा समिति के प्रधान मुनेश जैन, उप-प्रधान संदीप जैन, महामंत्री सचिन जैन, सह-मंत्री अशोक जैन और कोषाध्यक्ष विपिन जैन सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

ग्राम पंचायत बम्होरा में हुआ ग्राम चौपालों का आयोजन

लोक हस्तक्षेप समाचार

महेवा। सेवा संकल्प अभियान के तहत आयोजित हो रही ग्राम चौपालों के क्रम में गुरुवार को ग्राम पंचायत बम्होरा में ग्राम चौपालों का आयोजन किया गया मौजूद अधिकारियों ने ग्रामीणों की समस्याओं को सुनकर निदान किया तथा ग्राम विकास हेतु चर्चा कर लोगों से प्रस्ताव लिए ।प्राप्त विवरण के अनुसार गुरुवार एक अक्टूबर को ग्राम पंचायत बम्होरा की खुली बैठक ग्राम प्रशासक हरगोविंद पाल की अध्यक्षता में तथा ग्राम सचिव अशोक सिंह परिहार के संचालन में संपन्न हुई जिसमें ग्राम वासियों ने बैठक में अधिकारियों के समक्ष राशन कार्ड ,शौचालय ,आवास ,परिवार रजिस्टर आदि से संबंधित समस्याओं को रखा जिनमें कई समस्याओं का मौके पर ही निस्तारण किया गया वहीं कृषि से संबंधित समस्याओं का क्षेत्रीय लेखपाल राहुल गोयल द्वारा समाधान किया गया ।बैठक में मुख्य रूप से पंचायत सहायक रुचि यादव ,सदस्य राघवेंद्र सिंह ,अमन कुमार सहित आधा सैकड़ा से अधिक ग्राम वासी मौजूद रहे।

किसानों को निःशुल्क बीज मिनी किट वितरित

लोक हस्तक्षेप समाचार

इटावा/ महेवा। स्थानीय ब्लॉक मुख्यालय स्थित राजकीय बीज भंडार मुख्यालय पर ब्लॉक क्षेत्र के किसानों को ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन के आधार पर निशुल्क रूप से चना ,मसूर ,सरसों आदि के बीज की मिनी किट वितरित की गई जिन्हें गुरुवार को ब्लॉक मुख्यालय पर पूर्व विधायक सावित्री कठेरिया द्वारा किसानों को खंड विकास अधिकारी महेवा बृज बिहारी त्रिपाठी एवं सहायक विकास अधिकारी कृषि हर्ष कुमार ,एडीओ पंचायत इंद्रपाल सिंह भदौरिया ,मंडल अध्यक्ष उदय कुशवाह की मौजूदगी में वितरित किया गया ।पूर्व विधायक श्रीमती कठेरिया ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा किसानों के हित के लिए विभिन्न हितकारी योजनाएं चलाई जा रही हैं वहीं कई फसलों की एम एस पी भी बढ़ाई गई है किसान सम्मान निधि सहित कई लाभकारी योजनाएं चल रही है इस दौरान राजकीय बीज भंडार प्रभारी सजीव भारतीय सहित दो दर्जन से अधिक किसान मौजूद रहे।

जिला क्रिकेट एसोसिएशन उन्नाव के 11 खिलाड़ी अंडर-23 फाइनल ट्रायल के लिए चयनित

लोक हस्तक्षेप समाचार

उन्नाव। उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन (यू पी सी ए) के अंतर्गत लखनऊ में आयोजित हुए अंडर-23 जोनल ट्रायल में जिला क्रिकेट एसोसिएशन उन्नाव के 17 खिलाडियों मे से 11 खिलाड़ियों का चयन फाइनल ट्रायल के लिए किया गया है।उक्त जानकारी देते हुए जिला क्रिकेट एसोसिएशन के महामंत्री पी.के. मिश्रा ने जानकारी देते हुए बताया कि जोनल ट्रायल में उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर चयनित खिलाड़ियों में नवरत्न कुमार, आयुष,प्रियांशु रावत, जय वर्मा, देवासीष श्रीवास्तव, अभिषेक वर्मा, आदर्श शुक्ला, ऋषभ यादव, मोहम्मद नबी, रोहित राजपूत एवं अंश पटेल शामिल हैं।सभी चयनित खिलाड़ियों को जिला क्रिकेट एसोसिएशन ने बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रोत्साहित करते हुए कमला क्लब,कानपुर रवाना किया7

राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी की जयंती पर आरपीएमपी स्कूल में शैक्षिक प्रदर्शनी का आयोजन आज

लोक हस्तक्षेप समाचार

उन्नाव। शहर के मुहल्ला दरोगा बाग में संचालित आर पी मेमोरियल पब्लिक स्कूल में भाजयुमो के निवर्तमान अध्यक्ष एवं सदर नगर पालिका परिषद अध्यक्ष के प्रतिनिधि प्रवीण कुमार मिश्र (भानू) राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी की जयंती पर पूर्वान्ह 10 बजे शैक्षिक प्रदर्शनी का शुभारम्भ करेगें, जबकि समापन के अवसर पर युवा भाजपा नेता प्रखर गुप्ता बच्चों का उत्साहवर्धन करेगें।

उक्त जानकारी देते हुए विद्यालय की प्रधानाचार्या सुषमा मिश्रा ने बताया कि विज्ञान के बढ़ते आयामों के मध्य हमारे बच्चों का ज्ञान, विज्ञान और भाषा के साथ साथ सामाजिक क्षेत्रों में चतुर्दिक विकास हो सकें इस दृष्टि से विद्यालय परिसर में आयोजित शैक्षिक प्रदर्शनी में बच्चों द्वारा विज्ञान, सोशल स्टडी, हिन्दी, अंग्रेजी, संस्कृत, गणित, कम्प्यूटर व कला आदि विषयों से संबंधित सजीव चित्र, मॉडल व हमारे भौतिक जीवन को स्पन्दित करने वाले विभिन्न उपकरणों का निर्माण अपने प्रयासों से किया गया है।

बाढ़ पीड़ितों के लिए मसीहा बनी एकता सागर गुप्ता

500 बाढ़ पीड़ितों को भोजन और 260 को दिया आश्रय

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

सीतापुर। जिले में लगातार बारिश और जलभराव से प्रभावित परिवारों के सामने भोजन और सुरक्षित ठहरने की चुनौती के बीच समाजसेवा का एक सराहनीय उदाहरण सामने आया है। श्याम गेस्ट हाउस चुंगी चौकी पर प्रमुख समाजसेवी एवं भाजपा की सक्रिय कार्यकर्ता एकता सागर गुप्ता बीते तीन दिनों से बाढ़ प्रभावित परिवारों की मदद में जुटी हुई हैं।

बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों से सुरक्षित स्थानों की ओर पहुंचे लोगों के लिए उनके द्वारा प्रतिदिन लगभग 500 लोगों को प्रतिदिन दोनों पहर भोजन उपलब्ध कराया जा रहा है। इसके साथ ही करीब 260 लोगों के ठहरने की व्यवस्था भी की गई है। राहत शिविर में प्रभावित परिवारों को भोजन और रहने की सुविधा मिलने से उन्हें काफी सहारा मिल रहा है।

आपदा की इस घड़ी में जिस समय बड़ी संख्या में परिवार अपने घरों से निकलकर सुरक्षित स्थानों की तलाश कर रहे हैं ऐसे समय में एकता सागर गुप्ता द्वारा आगे बढ़कर की जा रही यह सेवा मानवीय संवेदना और सामाजिक जिम्मेदारी की मिसाल बनकर सामने आई है।

राहत कार्य में लगे लोगों के अनुसार प्रभावित परिवारों को सम्मानजनक वातावरण में भोजन और सुरक्षित आश्रय उपलब्ध कराने का प्रयास लगातार जारी है। तीन दिनों से चल रही इस व्यवस्था में जरूरतमंद परिवारों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए सहयोग किया जा रहा है।स्थानीय लोगों ने कहा कि प्राकृतिक आपदा के समय जरूरतमंदों के बीच पहुंचकर उनके भोजन और रहने की चिंता करना समाज के प्रति जिम्मेदारी का परिचायक है। राहत कार्य से जुड़े लोगों का कहना है कि ऐसे प्रयास अन्य सक्षम नागरिकों और सामाजिक संगठनों को भी पीड़ित परिवारों की मदद के लिए आगे आने की प्रेरणा देते हैं।बाढ़ की कठिन परिस्थितियों के बीच श्याम गेस्ट हाउस का यह राहत केंद्र प्रभावित परिवारों के लिए भोजन आश्रय और भरोसे का सहारा बना हुआ है।

महेवा में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर, दर्जनों लोगों ने किया रक्तदान

लोक हस्तक्षेप समाचार

महेवा। स्थानीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) महेवा परिसर में मंगलवार को रक्तदाता समूह इटावा के संयोजन में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का शुभारंभ मुख्य अतिथि सहकारी संघ महेवा के अध्यक्ष राजीव चौधरी ने किया। शिविर में क्षेत्र के लोगों, समाजसेवियों एवं रक्तदाताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए रक्तदान किया।जिला चिकित्सालय इटावा से पहुंची टीम में डॉ. नवनीत कुमार, काउंसलर रजनी, अनिल चतुर्वेदी, लैब टेक्नीशियन अर्जुन सिंह, अंकिता बघेल, प्रतिमा शाक्य, राघवेंद्र सिंह, सुरेश एवं शिवम राजपूत, सचिन यादव सहित अन्य स्वास्थ्यकर्मी शामिल रहे। टीम ने रक्तदाताओं की जांच के बाद सुरक्षित रूप से रक्त संग्रह किया

कार्यक्रम का शुभारंभ फीता काटकर सहकारी संघ महेवा के अध्यक्ष राजीव चौधरी एवं अधीक्षक सी एच सी महेवा डॉ अभिषेक वर्मा द्वारा किया गया ।समूह के सदस्य शरद तिवारी एवं सौरभ परिहार ने क्षेत्रवासियों से स्वैच्छिक रक्तदान के लिए आगे आने की अपील करते हुए कहा कि रक्तदान किसी जरूरतमंद व्यक्ति का जीवन बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।शिविर के आयोजन में शरद तिवारी, सौरभ परिहार, राजीव तिवारी, विमलेश तिवारी, राजीव नरुका, आदित्य प्रताप, पंकज भदौरिया, धनंजय सिंह, भूरे दुबे, अश्वनी पाठक एवं जीतू कुशवाहा ,राजू दुबे का विशेष योगदान रहा।इस अवसर पर सीएचसी महेवा के अधीक्षक डॉ. अभिषेक वर्मा, डॉ. गौरव त्रिपाठी, पत्रकार वीरेंद्र पोरवाल, लोक हस्तक्षेप समाचार पत्र के पत्रकार रविंद्र सिंह चौहान, राजीव चौधरी एवं राजीव तिवारी समेत कुल 51 लोगों ने स्वैच्छिक रक्तदान किया। आयोजकों ने रक्तदाताओं एवं स्वास्थ्य विभाग की टीम का आभार व्यक्त किया।

सेवा संकल्प अभियान के तहत निकाली जागरूकता रैली

लोक हस्तक्षेप समाचार

महेवा। सेवा संकल्प अभियान के तहत एक अक्टूबर से 31 अक्टूबर तक चलाए जा रहे संचारी रोग नियंत्रण अभियान के प्रथम दिन सी एच सी महेवा में प्रथम दिन अधीक्षक डॉ अभिषेक वर्मा के नेतृत्व में एक जागरूकता रैली निकाली गई जिसमें पूरे कस्बे में चिकित्सा सेवा से जुड़े लोगों ने नारे लगाते हुए लोगों को जागरूक किया तथा साफ सफाई रखने ,जलभराव न होने देने , स्वच्छ भोजन पानी ग्रहण करने आदि की सलाह दी ।

इस अवसर पर चिकित्सक डॉ अमित दीक्षित , डॉ गौरव त्रिपाठी , डॉ राघव गुप्ता , डॉ मोहित श्रीवास्तव , डॉ अंकिता वर्मा , डॉ जितेंद्र चौहान ,अहेरीपुर पी एच सी प्रभारी डॉ अतुल तिवारी , डॉ हर्ष तिवारी , बी पी एम डॉ दिलीप अग्रहरि फार्मासिस्ट दयाशंकर ,अखिलेश कुमार ,योगेन्द्र कुमार ,शंकर ,अंशु ,अभिलाषा सहित समस्त स्टाफ मौजूद रहा।

मार्ग दुर्घटना में बाइक सवार फैक्ट्री श्रमिक की मौत

कानपुर । मूसानगर थाना क्षेत्र के जरसेन गांव से ड्यूटी करने रनियां जा रहा बाइक सवार एक श्रमिक बुधवार रात अज्ञात वाहन की चपेट में आकर गंभीर रूप से घायल हो गया। जानकारी पर पहुंचे परिजन उसे गंभीर हालत में सीएचसी गजनेर ले गए। डॉक्टर ने जांच के बाद उसको मृत घोषित कर दिया। इससे कोहराम मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने प्राथमिक छानबीन के बाद शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। जरसेन गांव का रहने वाला 30 वर्षीय गुलाब सिंह रनियां की एक फैक्ट्री में काम करता था। बुधवार देर शाम को वह घर से बाइक लेकर रनियां जाने के लिए निकला था। रास्ते में अकबरपुर झबैया के पास वह अज्ञात वाहन की चपेट में आकर गंभीर रूप से घायल हो गया। जानकारी मिलते ही वहां पहुंचे परिजन उसको गंभीर हालत में सीएचसी गजनेर लाए।

महेवा में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं आशा सम्मान समारोह आयोजित

लोक हस्तक्षेप समाचार

महेवा। ब्लॉक सभागार महेवा में गुरुवार को राष्ट्रीय पोषण माह के अंतर्गत आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं आशा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बाल विकास परियोजना महेवा क्षेत्र के आंगनबाड़ी केंद्रों पर उत्कृष्ट कार्य करने वाली कार्यकर्ताओं को सम्मानित किया गया।कार्यक्रम की मुख्य अतिथि पूर्व विधायक श्रीमती सावित्री कठेरिया रहीं। विशिष्ट अतिथियों में बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ की जिला संयोजक मीनाक्षी चौहान, महिला मोर्चा की ऋचा मिश्रा, वैभव दुबे एवं आजाद प्रजापति मौजूद रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा मंडल अध्यक्ष उदय कुशवाहा ने की, जबकि संचालन राजू दुबे ने किया।

इस अवसर पर खंड विकास अधिकारी महेवा बृज बिहारी त्रिपाठी तथा बाल विकास परियोजना अधिकारी मनोरमा पाण्डेय ने सरकार द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी एवं महिला-बाल विकास योजनाओं की जानकारी दी।

कार्यक्रम में मुख्य सेविका मोनिका चौहान एवं दीपक बाबू भी मौजूद रहे।

समारोह के दौरान गर्भवती महिलाओं की गोद भराई एवं बच्चों का अन्नप्राशन संस्कार भी कराया गया। पोषण माह के अंतर्गत प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, रेसिपी तथा उत्कृष्ट कार्य के लिए चयनित आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को प्रशस्ति पत्र एवं सम्मान देकर उत्साहवर्धन किया गया।

प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना में रानी देवी मडोली, शीला जेतपुरा एवं माया लखनादेहात को सम्मानित किया गया। रेसिपी प्रतियोगिता में शारदा कुशवाहा महेवा, रश्मि भीमनगर एवं साक्षी धोरखा को सम्मान मिला। वहीं उत्कृष्ट कार्य के लिए रंजना सराय मिठे, गंगा देवी असदपुर, संजीदा बेगम उझियानी, अमर देवी दादरपुर, सुनीता सैदपुर, संदीपा दुबे करवाखेड़ा, सुशीला देवी उधनपुरा, अंशू माला नगला शुक्ला तथा आशा देवी को सम्मानित किया गया।कार्यक्रम में मौजूद अतिथियों ने आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एवं आशा कार्यकर्ताओं के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि महिला एवं बाल विकास से जुड़ी योजनाओं को धरातल तक पहुंचाने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका है।

श्रीकृष्ण जन्म व श्रीराम चरित्र प्रसंगों का कथाव्यास ने किया वर्णन

लोक हस्तक्षेप समाचार

गुरुग्राम । सामाजिक संस्था बृजरस गौ सेवा समिति द्वारा सैक्टर 4 स्थित वैश्य समाज धर्मशाला में आयोजित 7 दिवसीय श्रीमदभागवत कथा के चौथे दिन श्री कृष्ण जन्म और श्री राम चरित्र सहित विभिन्न प्रसंगों का वर्णन कथाव्यास पंडित मनमोहन बृजवासी द्वारा किया गया। उन्होंने कहा कि कंस के कारागार में मथुरा में अष्टमी की मध्य रात्रि में भगवान का अवतार हुआ और वासुदेव ने उफनती यमुना को पार करके उन्हें नन्द बाबा और यशोदा मैया के पास पहुंचाया तथा वहाँ से योगमाया को लाकर देवकी के पास सुला दिया। उन्होंने अनेकों बाल लीलाओं का विस्तार से वर्णन किया। उन्होंने कहा कि महाभारत युद्ध के शुरू होने पर भगवान कृष्ण ने अर्जुन के माध्यम से विश्व को गीता का ज्ञान दिया। गीता हमें कर्मयोग की शिक्षा देती है। 5 हजार वर्ष से अधिक पहले दिये हुए इस महान ग्रंथ में आज के अशांत मानव की सभी समस्याओं का समाधान है। गीता के समान कोई दूसरा ग्रंथ या शास्त्र नहीं है। महिलाओं ने मंगल गीत गाए। व्यास ने मर्यादा पुरुषोत्तम श्री राम के जन्म का तथा उनके द्वारा समाज के सम्मुख प्रस्तुत प्रत्येक रिश्ते की आदर्श मर्यादाओं का संक्षिप्त वर्णन किया। संस्था के महासचिव विजय अग्रवाल ने बताया कि आयोजन स्थल को जन्मोत्सव के अनुसार सुन्दर फूलों और गुब्बारों से सजाया गया था। आशा अमर एवं परिवार द्वारा लड्डू गोपाल का पंचामृत से अभिषेक किया गया। मुख्य यजमान उषा भारद्वाज, उमा शंकर भारद्वाज ने कथा समाप्ति पर भागवत की आरती की। प्रधान अजय मंगला ने बताया कि आज शुक्रवार को सुबह विद्वान पंडितों द्वारा पितरों की पूजा और नंदी श्राद्ध किया जायेगा। महिलाओं ने जम कर डांडिया रास नृत्य किया। आयोजन में पार्षद परमिंद्र कटारिया, दिनेश बाबू गर्ग, विनय गर्ग, राजवीर यादव, अजय मंगला, विजय अग्रवाल, लाल चंद गोयल, राम अवतार शर्मा, सुन्दरदास अग्रवाल, राम बिलास सिंगला, राम किशन गोयल, अरुण अग्रवाल, त्रिलोक अग्रवाल, राजेश अग्रवाल, राज कुमार मित्तल, राकेश शर्मा, पुरुषोत्तम अग्रवाल, योगेश गुप्ता, गिरधर, कंचन गोयल, इन्द्रा अग्रवाल, मिथलेश गर्ग, मीनाक्षी अग्रवाल, राखी मित्तल, हेमा शर्मा, सीमा गर्ग, गीता सहरावत आदि उपस्थित रहे।

कांग्रेस नेता मनीष खटाना की माताजी के निधन पर सांसद दीपेंद्र हुड्डा सहित कांग्रेस नेताओं ने जताया शोक

लोक हस्तक्षेप समाचार

गुरुग्राम । कांग्रेस पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता मनीष खटाना की माताजी श्रीमती इंद्रा देवी के निधन पर शोक व्यक्त करने और दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि देने के लिए गुरुवार को कांग्रेस नेताओं एवं कार्यकर्ताओं का उनके निवास पर तांता लगा रहा। मदनपुरी गली नंबर-5 स्थित उनके निवास पर लोकसभा सांसद दीपेंद्र हुड्डा, पूर्व मंत्री सुखबीर कटारिया, कार्यकारी प्रदेशाध्यक्ष जितेंद्र कुमार भारद्वाज, प्रदेश संगठन सचिव जयदीप धनखड़, इंटक प्रदेशाध्यक्ष अमित यादव, एआईसीसी सदस्य राहुल यादव, राव वीरेंद्र बिल्लू, मेयर प्रत्याशी सीमा पाहूजा, समाजसेवी पवन पाहूजा, शहरी जिलाध्यक्ष पंकज डावर, महिला जिलाध्यक्ष निर्मल यादव, मुकेश डागर कोच, सुशील सहरावत, युवा जिलाध्यक्ष अभिषेक यादव, पूर्व पार्षद रविंद्र कटारिया, पूर्व पार्षद कुलराज कटारिया, विकास हुड्डा, एडवोकेट अरुण शर्मा, सुनील चौहान, सोमवीर जाखड़, हरकेश बोहत, गजेंद्र चौहान चेयरमैन, राजकुमार कथूरिया, समाजसेवी नवीन गोयल तथा आलूपुर मंदिर के महंत योगी आदित्यनाथ महाराज सहित अनेक सामाजिक, राजनीतिक एवं धार्मिक लोग पहुंचे। सभी ने शोक संतप्त परिवार से मुलाकात कर अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त कीं और दिवंगत श्रीमती इंद्रा देवी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी। इस दौरान कांग्रेस नेताओं ने श्रीमती इंद्रा देवी के सरल स्वभाव, संस्कारों और सामाजिक जीवन में उनके योगदान को याद किया। नेताओं ने शोकाकुल परिवार को ढांढस बंधाते हुए कहा कि माता का निधन परिवार के लिए अपूरणीय क्षति है। उन्होंने ईश्वर से दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करने तथा परिजनों को इस दुख की घड़ी में धैर्य एवं शक्ति देने की प्रार्थना की।

घरेलू विवाद में महिला ने फांसी लगाकर दी जान

कानपुर । घरेलू विवाद के बाद शिवली कोतवाली क्षेत्र के रास्तपुर गांव की एक महिला ने बुधवार दोपहर बाद घर के कमरे में छत के कुंडे से फांसी लगा ली। इससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। जानकारी होते ही उसके घर में कोहराम मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने परिजनों से पूछताछ व छानबीन की। फोरेंसिक टीम के साक्ष्य संकलन के बाद पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा। रास्तपुर गांव के रहने वाले अनिल तिवारी दादा नगर कानपुर की एक प्लास्टिक फैक्ट्री में काम करता है। इसके साथ ही वह शराब पीने का आदी है। इसके चलते उसका अक्सर घर में विवाद होता रहता था।बुधवार सुबह पति-पत्नी के बीच विवाद हो गया था।

गौहर खान का कहना है कि इस टास्क की चर्चा आने वाले 'वीकेंड का वार' में जरूर हो। उन्होंने कहा, 'मैरी कॉम की ओर से काजी के ऊपर आरोप लगाने की चर्चा वीकेंड का वार में जरूर हो। काजी ने जब हाथ बाहर निकाला तो, मैरी कॉम एक छोटी बच्ची की तरह गिर गई।'

मैरी कॉम के गिरने पर गौहर खान ने लिया काजी तौकीर का पक्ष

कहा- बच्चों की तरह गिर गई

रियलिटी शो 'बिग बॉस -20' के हालिया राशन और कप्तानी टास्क के दौरान मैरी कॉम के फिसलकर गिरने पर काजी तौकीर के साथ उनकी बहस हुई। बुधवार को अभिनेत्री गौहर खान ने इस टास्क पर प्रतिक्रिया दी। गौहर खान ने काजी तौकीर का पक्ष लेते हुए इंस्टाग्राम स्टोरीज सेक्शन पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने मैरी कॉम को शारीरिक रूप से मजबूत होने के साथ-साथ मानसिक रूप से भी मजबूत और विकसित होने की सलाह दे डाली। वीडियो में गौहर खान कहती हैं, 'बिग बॉस में हम बहुत टास्क करते थे और हर सीजन में लोगों ने न जाने कितने कास्ट किए होंगे। यहां तक टास्क करने के लिए हम लोग 24 घंटे जागते रहते थे। रातभर टास्क करने, बैल बजाने और टाइमर रखने के लिए और यहां पर देश की बड़ी हस्ती मैरी कॉम, जिनमें इतना स्ट्रैंथ है कि वे अकेले ही किसी को भी पछाड़ सकती हैं। हालांकि, वह कह रही हैं कि काजी का बैग में डालने से वे गिर गई। '

अभिनेत्री का मानना है कि बैग भारी होने की वजह से मैरी कॉम गिर सकती हैं, लेकिन उन्हें इस तरह इल्जाम नहीं लगाना चाहिए। उन्होंने कहा, 'मैं समझती हूं कि वह बैग बहुत भारी था, लेकिन मैरी कॉम से ये उम्मीद नहीं थी। आपको शारीरिक और मानसिक दोनों तरह से मजबूत होने की जरूरत है। ' दरअसल, बिग बॉस 20 के हालिया राशन और कप्तानी टास्क के दौरान काजी तौकीर अपनी टीम और दोस्तों को जीत दिलाने के लिए पूरी ऊर्जा के साथ खेल रहे थे। नियमों के तहत घरवालों को अपने पसंदीदा का समर्थन करने और दूसरों के बैग से राशन पैकेट निकालने की अनुमति थी।

टास्क के दौरान एक ऐसा क्षण आया जब मैरी कॉम संतुलन बिगड़ने के कारण गिर गई और उन्हें चोट लग गई। मैरी कॉम और कनिका मान ने काजी पर यह आरोप लगाया कि उनके आक्रामक रवैये और खेल के कारण वे गिरीं और उन्हें चोटें आई।

गोविंदा लंबे समय से अपनी निजी जिंदगी को लेकर होने वाली चर्चाओं और अटकलों के केंद्र में बने हुए हैं। इनमें विशेष रूप से उनके आसपास नजर आने वाली महिलाओं को सोशल मीडिया पर 'मिस्ट्री वुमन' या 'तथाकथित गर्लफ्रेंड' जैसे नाम दिए जा रहे हैं। ऐसे में अब अभिनेत्री कुब्रा सैत ने सेलिब्रिटी गॉसिप को जजमेंट में बदलने की बढ़ती प्रवृत्ति पर तीखा सवाल उठाया है। यही नहीं उन्होंने सुनीता आहूजा और उन महिलाओं के समर्थन में भी बात की है, जो इस तरह की अटकलों का हिस्सा बना दी जाती हैं।

अनमोल टीवी शो हमारी राधाः राधा के समर्थकों ने गिरधर के विश्वासघात के खिलाफ किया प्रदर्शन, सच्चाई जानने की मांग

ज़ी एंटरटेनमेंट एंटरप्राइजेज लिमिटेड के फ्री-टू-एयर (स्नङ्क) हिंदी जनरल एंटरटेनमेंट चैनल अनमोल टीवी का पहला ओरिजिनल फिक्शन शो हमारी राधा, अपनी दिलचस्प कहानी और भावनाओं से भरपूर किरदारों के कारण दर्शकों का दिल जीत रहा है। शो में राधा (सिमरन कौर) अपने पति गिरधर (अक्षय म्हात्रे) पर पूरा भरोसा करती है, जबकि वह चोरी-छिपे उसे धोखा दे रहा है। राधा की इस कहानी से दर्शकों का भावनात्मक जुड़ाव लगातार और मजबूत होता जा रहा है।कुछ ऐसे प्रशंसक, जो शो के लिए विशेष जुनून रखते हैं, राधा को लेकर अपनी चिंता को पर्दे से बाहर भी दिखाते हुए, आज शूटिंग सेट पर पहुंचे और गिरधर के व्यवहार के खिलाफ प्रदर्शन किया। गिरधर की बेवफाई से नाराज प्रशंसकों ने मांग की कि राधा को गिरधर और शनाया (वैदेही नायर) के रिश्ते की सच्चाई बताई जाए। यह जानते हुए भी कि गिरधर सिर्फ शो का एक किरदार है, प्रशंसक उसका सामना करने के लिए आतुर थे। इससे पता चलता है कि राधा की कहानी से उनका कितना गहरा भावनात्मक जुड़ाव है। राधा को गिरधर पर लगातार भरोसा करते और उसकी सच्चाई से अनजान देखते हुए प्रशंसकों में काफी नाराजगी नजर आई।शो के इस प्रदर्शन में शामिल एक प्रशंसक ने कहा, 'हम इस शो को लगातार देखते आ रहे हैं और राधा से हमारा इतना भावनात्मक जुड़ाव हो गया है कि उसे गिरधर पर आंख बंद करके भरोसा करते और गिरधर को उसे धोखा देते देखना सच में बहुत दुःखद है। राधा हमेशा गिरधर के साथ खड़ी रही है और अपने रिश्ते पर भरोसा करती रही है। इसलिए हमें लगा कि जब उसे हमारी सबसे ज्यादा जरूरत है, तब हमें भी उसके साथ खड़ा होना चाहिए। हम सेट पर इसलिए आए हैं, क्योंकि हम चाहते हैं कि राधा को सच्चाई पता चले और उसे यह एहसास हो कि वह इससे कहीं बेहतर की हकदार है। हम चाहते हैं कि राधा खुद के लिए आवाज उठाने की हिम्मत जुटाए। जब तक वह ऐसा नहीं करती, हम उसके साथ मजबूती से खड़े रहेंगे। 'इस कहानी को दर्शकों से मिल रही जबरदस्त प्रतिक्रिया के बारे में बात करते हुए, सिमरन कौर ने कहा, 'यह देखकर बहुत खुशी होती है कि दर्शक शो और राधा को इतना प्यार और समर्थन दे रहे हैं। लोग खास तौर पर सेट पर आकर राधा के लिए आवाज उठा रहे हैं और उसकी कहानी को लेकर अपनी भावनाएं व्यक्त कर रहे हैं, यह वाकई बहुत खास है। कहानी अब एक दिलचस्प मोड़ लेने वाली है और दर्शकों को आगे बहुत कुछ देखने को मिलेगा। यह देखना दिलचस्प होगा कि जब राधा के सामने आखिरकार सच्चाई आएगी, तो वह किस तरह उसका सामना करती है। 'अक्षय म्हात्रे ने कहा, 'मुझे यह देखकर बहुत खुशी हो रही है कि दर्शक हमारी राधा को इतना प्यार दे रहे हैं और शो से जुड़े हुए हैं। गिरधर एक ऐसा किरदार है, जिसमें कई कमियां हैं और उसने कुछ ऐसे फैसले लिए हैं, जिन्हें सही ठहराना मुश्किल है। लेकिन, यही बात उसके किरदार को निभाना दिलचस्प बनाती है। मैं असल जिंदगी में बेवफाई का समर्थन नहीं करता, लेकिन एक अभिनेता के तौर पर मेरे लिए ऐसे किरदार को निभाना दिलचस्प है, जिसकी सोच और व्यवहार मेरे अपने विचारों से बिल्कुल अलग हैं। दर्शकों की इतनी मजबूत प्रतिक्रिया दिखाती है कि वे शो की कहानी और उसके किरदारों से कितने गहराई से जुड़े हुए हैं।' गिरधर के गुप्त रिश्ते की सच्चाई अब सामने आने वाली है। ऐसे में सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब राधा को पूरी सच्चाई पता चलेगी, तो वह कैसे प्रतिक्रिया देगी। क्या गिरधर अपनी शादी खत्म करके तलाक लेने का फैसला करेगा? या फिर गिरधर की बेवफाई का सच सामने आने के बाद राधा के व्यक्तित्व का एक बिल्कुल नया रूप देखने को मिलेगा? अब तक राधा का सफर अपने अटूट विश्वास के लिए जाना जाता रहा है। इन सभी सवालों के जवाब हमारी राधा की कहानी के अब तक के सबसे खास और बहुप्रतीक्षित मोड़ में सामने आएंगे।

शादी के बाद बदली अविका गौर की जिंदगी

बोलीं-प्यार बड़े जेस्चर में नहीं, एक-दूसरे को समझने में है

अभिनेत्री अविका गौर इस समय अपनी शादीशुदा जिंदगी का लुत्फ उठा रही हैं। अभिनेत्री ने आईएएनएस के साथ बातचीत में बताया कि शादी के बाद उनकी जिंदगी किस तरह बदल गई है और इससे उन्हें क्या सीखने को मिला है। अभिनेत्री ने बताया कि शादी ने उन्हें सिखाया है कि प्यार हमेशा बड़े-बड़े रोमांटिक जेस्चर में नहीं होता बल्कि एक-दूसरे को समझने और साथ रहने में होता है। अभिनेत्री ने कहा, 'पहली साल मुझे समझ आया कि प्यार बड़े-बड़े जेस्चर से ज्यादा एक-दूसरे को समझने में है और ये समझना कि कब स्पेस देना, कब सुनना, कब बातों को हंसी में टाल देना है। सबसे जरूरी, यह जानना है कि भले ही आप किसी छोटी सी बात पर लड़ रहे हो, फिर भी आप एक ही टीम मे हैं।' अभिनेत्री का मानना है कि एक दूसरे के साथ रहने का मतलब आम पलों में भी सुकून ढूंढना है। उन्होंने बताया, 'जैसे हम साथ में हैं, कुछ भी नहीं कर रहे हैं लेकिन फिर भी यह एहसास हो कि आप सही जगह पर हैं और हां, मैंने ये भी सीखा है कि कभी-कभी शांति बनाए रखने का सबसे अच्छा तरीका ये मान लेना है कि आप गलत हैं, भले ही आपके मन में बिल्कुल सही हो। कभी-कभी गहराई से सोचना न सिर्फ आपके रिश्ते को बेहतर बनाता है बल्कि आपको एक बेहतर इंसान भी बनाता है। '

शादी से पहले हम प्यार को बहुत रोमांटिक बना देते हैं, बड़े-बड़े पल, डेट्स, सरप्राइज, दिल की धड़कन बढ़ना। शादी के बाद समझ आता है कि प्यार ग्रोसरी लिस्ट में भी है, 400वीं बार ये तय करने में भी है कि डिनर में या खाना है, जिमेदारियां बांटने में और एक-दूसरे की अजीब आदतों को सहने में भी है।'

काजी और लव गिल मामले में आम्रपाली के दोहरे रवैये पर गौहर खान ने उठाए सवाल

रियलिटी शो 'बिग बॉस-20' के हालिया एपिसोड में जमकर हंगामा देखने को मिला। शो में यंग डीएसए ने लव गिल के डांस पर टिप्पणी की थी, जिस पर आम्रपाली लव गिल का साथा देने बजाय उन पर चिल्ला पड़ीं। अब इस पूरे मामले पर अभिनेत्री गौहर खान ने अपनी प्रतिक्रिया दी। अभिनेत्री गौहर खान ने इंस्टाग्राम स्टोरीज सेक्शन पर वीडियो पोस्ट किए, जिसमें उन्होंने आम्रपाली को डबल फेस बताया। गौहर खान ने पूरे मामले पर अपनी बात को रखते हुए कहा, 'बिग बॉस का हालिया एपिसोड देखा, जिसमें यंग डीएसए ने लव गिल के डांस पर टिप्पणी की थी कि वो वहां पर खड़ी होकर डांस कर रही हैं। इसके बाद लव गिल ने साफ तौर पर यंग डीएसए से साफ तौर पर कहा था कि भाई, तुम्हारा इस तरह से मेरे डांस पर टिप्पणी करना मुझे अच्छा नहीं लगा। इस पर आम्रपाली लव गिल को ही डांटने लगीं।

उन्होंने आगे कहा, 'आम्रपाली लव गिल से कहती हैं कि तुम्हे पता है न कि यंग डीएसए का तुम्हे लेकर इरादा गलत नहीं था, वो तुम्हारा दोस्त है, तो तुम ऐसे क्यों बोल रहे हो। आम्रपाली उस वक्त लव गिल पर काफी गुस्सा हुई थी और बोली थी कि आप यंग डीएसए के बारे में ऐसे क्यों सोच रही हो। '

'बिग बॉस 20' में काजी तौकीर ने कनिका मान और अन्य घरवालों से बातचीत के दौरान गलती से अपशब्द का इस्तेमाल किया था, जिस पर आम्रपाली ने उन्हें ऐसे शब्दों का इस्तेमाल न करने की नसीहद दी थी।

इस बात पर गौहर खान ने कहा, 'तो फिर, जब काजी ने पहले ही साफ किया था कि उसने उस शब्द का इस्तेमाल किया था लेकिन उसका गलत इरादा नहीं था। फिर आम्रपाली जी आप जाकर काजी को बोल रही थी कि अगर आपका गलत इरादा नहीं था और किसी को उससे दिक्कत हो रही है, तो आप मत बोलिए। '

गौहर खान ने साफ किया कि आम्रपाली दुबे एक तरफ यंग डीएसए का साथ दे रही हैं कि उसका इरादा गलत नहीं है और दूसरी तरफ काजी को गलत बता रही हैं, जबकि इरादा तो दोनों का ही गलत नहीं था।

उन्होंने आम्रपाली को लेकर कहा, 'लव, तो आपकी दोस्त हैं और जब वो आपको बोल रही है कि उसको यंग डीएसए का इस तरह से बोलना अच्छा नहीं लगा, तो उस वक्त आपने उसको नसीहत दी कि अरे उसका इरादा वो नहीं है, तो आप काजी को कैसे बोल सकती हैं, कि नहीं अगर किसी को ऐसी बातें पसंद न आए तो नहीं बोलनी चाहिए। '

राघव चड्ढा को पसंद आई परिणीति की सीरीज 'शक', कहा-फिल्म ने आखिरी तक बांधे रखा

अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा की साइकोलॉजिकल मिस्ट्री थ्रिलर वेब सीरीज 'शकः ट्रस्ट नो वन' नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम हो रही है। गुरुवार को अभिनेत्री के पति राघव चड्ढा ने सीरीज की तारीफ करने के साथ-साथ सभी से इसे देखने की अपील भी की। राघव चड्ढा ने इंस्टाग्राम पर सीरीज के स्क्रीनिंग की तस्वीरें पोस्ट कीं, जिसमें परिणीति और राघव चड्ढा के साथ सीरीज की पूरी टीम नजर आ रही है। राघव चड्ढा ने सीरीज की सराहना करते हुए लिखा, 'फिल्म 'शक' ने मुझे आखिरी तक बांधे रखा। इसका सस्पेंस लगातार बढ़ता रहता है, हर एपिसोड के साथ आप जो जानते हैं उस पर ही शक होने लहता है। आखिर में मेरे मन में बस एक ही सवाल था- किडनैपर कौन था सबसे करीबी दोस्तों और परिवार के साथ प्रीमियर और भी खास बन गया। पूरी कास्ट आपको कहानी में खींच लेती है। '

उन्होंने अपनी पत्नी और अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा के अभिनय की सराहना करते हुए लिखा, 'आपने क्या कमाल का अभिनय किया है, अन्विता के किरदार को सच में जी लिया। एक गर्वित पति होने के अलावा कहूं तो ये वाकई में दिल थाम देने वाली सीरीज है। आप सभी नेटफ्लिक्स पर सीरीज 'शक' देखिए। सभी कलाकारों ने शानदार अभिनय किया। '

वेब सीरीज 'शकः ट्रस्ट नो वन' के जरिए परिणीति ने अपना ओटीटी डेब्यू किया है। सीरीज में अभिनेत्री के साथ-साथ जेनिफर विंगेट, ताहिर राज भसीन, सोनी राजदान, हरलीन सेठी जैसे कलाकार मुख्य भूमिका में हैं। 7 एपिसोड वाली यह सीरीज 24 सितंबर से नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम हो रही है और दर्शकों से मिली-जुली प्रतिक्रिया मिल रही है।

'शकः ट्रस्ट नो वन' की कहानी अन्विता (परिणीति चोपड़ा) नामक मां के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसकी बेटी अपेक्षा जन्म के तुरंत बाद अस्पताल से रहस्यमय तरीके से गायब हो जाती है। बेटी के अपहरण के 9 साल बाद भी मां अपनी बेटी की तलाश जारी रखती है और उसे अपनों पर ही शक होने लगता है।

सुभाष घई ने की आमिर खान की जमकर तारीफ, गिनाई उनकी 5 बड़ी उपलब्धियां

फिल्ममेकर सुभाष घई सोशल मीडिया पर काफी सक्रिय रहते हैं और अक्सर अपने विचार शेयर करते रहते हैं। गुरुवार को फिल्ममेकर ने बताया कि उनके एक्टिंग स्कूल व्हिसलिंग वुड्स में 'सेलिब्रेट सिनेमा 2026' के कार्यक्रम में आमिर खान बतौर गेस्ट आएंगे और उनकी फिल्म 'सितारे जमीन पर' की स्क्रीनिंग होगी। सुभाष घई ने इंस्टाग्राम पर आमिर खान के साथ तस्वीर पोस्ट की, जिसमें उन्होंने आमिर खान की प्रशंसा करते हुए उनके द्वारा अब तक की गई उपलब्धियों को भी गिनाया। सुभाष घई ने लिखा, 'आमिर खान में ऐसा क्या खास है' उन्होंने आगे लिखा, 'आमिर खान फिल्म लगान के जरिए भारतीय फिल्मों को ऑस्कर तक ले गए और पूरी दुनिया में भारत का नाम रोशन किया। फिल्म 'दंगल' में उन्होंने पिता का किरदार निभाया और ऐसी फिल्म बनाई, जो चीन समेत पूरी दुनिया में सुपरहिट साबित हुई। 'तारे जमीन पर' जैसी उन्होंने ऐसी शानदार फिल्म बनाई थी, जिसने डिस्लेक्सिया को लेकर लोगों की सोच ही बदल दी।

निर्देशक ने आमिर की साल 2025 में रिलीज हुई फिल्म 'सितारे जमीन पर' की तारीफ करते हुए लिखा, 'दिव्यांग लोगों के जज्बे पर बनी इस फिल्म को आमिर ने न सिर्फ बनाया है बल्कि उन्होंने इसमें अभिनय भी किया है, जो एक यादगार सुपरहिट रही। '

उन्होंने आमिर खान को सिनेमा का सबसे पसंदीदा अभिनेता बताया। सुभाष घई ने लिखा, 'आमिर खान बड़े पर्दे के सबसे पसंदीदा और हर तरह के किरदार निभाने वाले अभिनेता हैं। साथ ही वह एक बेहतरीन प्रोड्यूसर, विचारक, समाजसेवी और हिंदी फिल्म इंडस्ट्री के सच्चे दोस्त भी हैं। अब 7 अक्टूबर को व्हिसलिंग वुड्स में 'सेलिब्रेट सिनेमा 2026' का उद्घाटन होगा, जिसमें उनकी फिल्म 'सितारे जमीन पर' की स्क्रीनिंग होगी। '

स्पोर्ट्स कॉमेडी-ड्रामा फिल्म 'सितारे जमीन पर' में आमिर खान ने गुलशन अरोड़ा नामक गुस्सैल बास्केटबॉल कोच का किरदार निभाया था।

नमो क्रिकेट लीग में कुरुक्षेत्र, नोएडा, पानीपत, जींद और समालखा की टीमें जीतीं

पंचकूला,एजेंसी। ताऊ देवी लाल क्रिकेट स्टेडियम सेक्टर-3 में चल रही नमो क्रिकेट लीग में विभिन्न मुकाबले खेले गए। दिनभर चले मुकाबलों में खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया और दर्शकों ने भी क्रिकेट का जमकर आनंद लिया। कुरुक्षेत्र किंग्स, नोएडा नाइट्स, पानीपत पैंथर्स, जींद जगुआर्स और समालखा सुपरस्टार्स ने अपने-अपने मुकाबले जीत दर्ज की। नमो क्रिकेट लीग का आयोजन सुदेश भंडारी चैरिटेबल ट्रस्ट के चेयरमैन तरुण भंडारी की ओर से नशे के खिलाफ जागरूकता का संदेश देने के उद्देश्य से किया जा रहा है। मीडिया कोआर्डिनेटर संजीव सूद ने बताया कि खिलाड़ियों को नगद पुरस्कार दिए जा रहे हैं। इसके अलावा चौके और छक्के लगाने वाले खिलाड़ियों को भी अलग से नगद पुरस्कार प्रदान किए जा रहे हैं। कुरुक्षेत्र किंग्स ने 38 रन से जीता मुकाबला कुरुक्षेत्र किंग्स ने रेवाड़ी-भिवानी रॉयल्स को 38 रन से हराया। कुरुक्षेत्र ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 10 ओवर में छह विकेट पर 108 रन बनाए। जवाब में रेवाड़ी-भिवानी रॉयल्स की टीम 10 ओवर

में नौ विकेट पर 70 रन ही बना सकी। शमशेर को मैन ऑफ द मैच चुना गया। रितेश नोनू ने 44 रन बनाए, जबकि दिगशांत वासु ने चार विकेट हासिल किए।

नोएडा नाइट्स ने 12 रन से दर्ज की जीत

फरीदाबाद फाल्कन्स और नोएडा नाइट्स के बीच खेले गए मुकाबले में नोएडा ने 12 रन से जीत हासिल की। नोएडा नाइट्स ने 10 ओवर में छह विकेट पर 116 रन बनाए। फरीदाबाद फाल्कन्स की टीम 10 ओवर में छह विकेट पर 104 रन ही बना सकी। कपिल डैजलर को मैन ऑफ द मैच चुना गया। सुरेश कुमार रैना ने 37 रन बनाए, जबकि अनिल कुमार ने दो विकेट लिए।

पानीपत पैंथर्स ने मेरठ को 23 रन से हराया: मेरठ मावेरिक्स के खिलाफ पानीपत पैंथर्स ने 23 रन से जीत दर्ज की। पानीपत ने 10 ओवर में पांच विकेट पर 90 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करते हुए मेरठ की टीम नौ ओवर में 67 रन पर ऑलआउट हो गई। आकाश राजपूत ने 57 रन की शानदार पारी खेली और उन्हें मैन ऑफ द मैच चुना गया। राजत गुज्जर ने तीन विकेट हासिल किए।

जींद जगुआर्स ने चार ओवर में हासिल किया लक्ष्य: जींद जगुआर्स ने रोमांचक मुकाबले में लखनऊ लेजेंड्स को छह विकेट से हराया। लखनऊ ने 10 ओवर में आठ विकेट पर 42 रन बनाए। जींद ने महज चार ओवर में चार विकेट गंवाकर 45 रन बनाते हुए लक्ष्य हासिल कर लिया

एशियन गेम्स: सुमित नागल क्वार्टर फाइनल में हारे, बिना पदक के भारत का टेनिस अभियान समाप्त

नागोया एजेंसी। सुमित नागल गुरुवार को यहां हिगाशियामा पार्क टेनिस सेंटर में पुरुषों के एकल क्वार्टर फाइनल में चीन के वू यिबिंग से सीधे सेटों में 4-6, 4-6 से हार गए। नागल की हार के साथ ही एशियन गेम्स में भारत का टेनिस अभियान खत्म हो गया। 1986 के बाद यह पहला मौका है, जब भारतीय टेनिस टीम एशियन गेम्स से बिना पदक जीते लौटेगी। नागल की पहली सर्विस अच्छी नहीं रही। उन्होंने अपनी पहली सर्विस से 62 प्रतिशत और दूसरी सर्विस से 59 प्रतिशत अंक जीते, लेकिन मैच में तीन बार उनकी सर्विस ब्रेक हुई। नागल से पहले, सुरेश दक्षिणेश्वर भी पुरुषों के एकल के राउंड ऑफ 16 में चीनी ताइपे के त्सेंग चुन-हसिन से 6-3, 6-4 से हार गए थे। भारत पुरुषों के डबल्स में भी 1998 के गेम्स के बाद पहली बार कोई मेडल नहीं जीत पाया। युकी भांबरी-दक्षिणेश्वर सुरेश और अनिरुद्ध चंद्रशेखर-एन श्रीराम बालाजी की स्टार जोड़ियां भी पुरुषों के डबल्स के क्वार्टर फाइनल में हार गईं। भांबरी-सुरेश अपने क्वार्टर फाइनल में चीनी ताइपे के रे हो और सू यू-हिसयू से हार गए, जबकि बालाजी-अनिरुद्ध एक रोमांचक टाई-ब्रेक मुकाबले में चीन के जियांग फुमिन और झांग तियानहुई से हार गए। अंकिता रैना और रुतुजा भोसले की महिला डबल्स जोड़ी पहले राउंड में कजाकिस्तान की अन्ना डैनिलिना और यूलिया पुतिनत्सेवा से हार गई। मिक्स्ड डबल्स में भी भारत को निराशा हाथ लगी, क्योंकि युकी भांबरी और रुतुजा भोसले राउंड ऑफ 16 में चीनी ताइपे के हिसएह सु-वेई और त्सेंग चुन-हिसन से हार गए। एन श्रीराम बालाजी और अंकिता रैना भी राउंड ऑफ 32 में हांगकांग, चीन के यूडिस चोंग और कैरन थॉम्पसन से हारकर बाहर हो गए। भारत ने हांगझोऊ गेम्स 2023 में टेनिस में दो मेडल जीते थे। पिछले एशियाई खेलों में रोहन बोपन्ना और रुतुजा ने मिक्स्ड डबल्स इवेंट में गोल्ड मेडल जीता था, जबकि रामकुमार रामनाथन और साकेत मायनेनी ने हांगझोऊ में मेंस डबल्स इवेंट में सिल्वर मेडल जीता था।

एशियन गेम्स 2026: ईशान किशन के नाम जुड़ी बड़ी उपलब्धि, मनीष पांडे का तोड़ा 8 साल पुराना रिकॉर्ड

नागोया एजेंसी। एशियन गेम्स 2026 में भारत और श्रीलंका के बीच दूसरा सेमीफाइनल मुकाबला कोरोगी स्पोर्ट्स पार्क के मैदान पर खेला जा रहा है। पहले बल्लेबाजी करते हुए भारतीय टीम ने 20 ओवर में 7 विकेट खोकर 169 रन बनाए। ईशान किशन ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए मनीष पांडे का 8 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया है। सेमीफाइनल मुकाबले में ईशान के बैटिंग ऑर्डर में बदलाव किया गया और वह तीन विकेट गिरने के बाद मैदान पर उतरे। ईशान शुरुआत से ही बेहतरीन लय में दिखाई दिए और उन्होंने 46 गेंदों का सामना करते हुए 80 रनों की नाबाद पारी खेली। अपनी इस पारी के दौरान विकेटकीपर बल्लेबाज ने 4 चौके और 5 छक्के लगाए। ईशान भारत की ओर से नंबर पांच या उससे नीचे की बैटिंग पोजीशन पर बल्लेबाजी करते हुए टी20 इंटरनेशनल में सबसे बड़ी पारी खेलने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। ईशान ने मनीष पांडे का 8 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया है। मनीष ने साल 2018 में साउथ अफ्रीका के खिलाफ 79 रनों की नाबाद पारी खेली थी। ईशान सेमीफाइनल में भारतीय टीम के संकटमोचक साबित हुए और वह एक छोर को लगातार संभालकर खड़े रहे। ईशान के अलावा, भारत की ओर से वैभव सूर्यवंशी भी अच्छी लय में दिखाई दिए और उन्होंने 21 गेंदों में 38 रनों का योगदान दिया। वैभव ने अपनी इस पारी में 6 चौके और 2 छक्के लगाए। हालांकि, अभिषेक शर्मा (7 रन) और संजू सैमसन (7 रन) बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सके। कप्तान श्रेयस अय्यर का बल्ला भी खामोश रहा और वह 13 गेंदों का सामना करने के बाद 13 रन ही बना सके। उपकप्तान तिलक वर्मा 4 गेंदों का सामना करने के बाद 2 रन ही बना सके, जबकि शिवम दुबे सिर्फ 3 रन बनाकर आउट हुए। वॉशिंगटन सुंदर 3 गेंदों में 7 रन बनाकर नाबाद रहे। श्रीलंका की तरफ से गेंदबाजी में थारिन्दु रथनायके ने 32 रन खर्च करके 2 विकेट चटकाए। वहीं, कप्तान साहन अराच्चिगे ने 28 रन देकर 2 विकेट अपने नाम किए।

ईशान किशन की दमदार पारी, भारत ने सेमीफाइनल में श्रीलंका के खिलाफ 7 विकेट खोकर बनाए 169 रन

निशिन । एशियन गेम्स 2026 के दूसरे सेमीफाइनल मुकाबले में भारत की भिड़त श्रीलंका से हो रही है। कोरोगी स्पोर्ट्स पार्क के मैदान पर पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत ने 20 ओवर में 7 विकेट खोकर 169 रन बनाए। टॉस गंवाकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। अभिषेक शर्मा 3 गेंदों में महज 7 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद संजू सैमसन भी बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सके और 9 गेंदों में 7 रन बनाकर पवेलियन लौटे।

त्रिकोणीय सीरीज: इंग्लैंड की 16-सदस्यीय वनडे टीम घोषित, 8 साल बाद मेसन क्रेन की वापसी

लंदन एजेंसी । इंग्लैंड ने पाकिस्तान में होने वाली आगामी त्रिकोणीय वनडे सीरीज के लिए 16-सदस्यीय टीम घोषित कर दी है, जिसमें लेग-स्पिनर मेसन क्रेन को आठ साल बाद अंतरराष्ट्रीय टीम में वापसी का मौका मिला है। इस सीरीज में इंग्लैंड और पाकिस्तान के साथ श्रीलंकाई टीम भी शामिल है। 29 वर्षीय क्रेन इंग्लैंड के लिए आखिरी बार जनवरी 2018 में एशेज टेस्ट खेले थे। साल 2017 में दो टी20 मैच खेलने वाले क्रेन, ग्लैमॉर्गन के साथ घरेलू सीजन में शानदार प्रदर्शन के बाद टीम में रेहान अहमद की जगह लेंगे। इंग्लिश ऑलराउंडर जेम्स कोल्स और तेज गेंदबाज हेनरी क्रोकोम्बे जैसे नए खिलाड़ियों को भी टीम में बुलाया है। सीनियर लेग-स्पिनर आदिल राशिद और ऑलराउंडर सैम करन क्रमशः हाथ और कमर की चोट से उबरने के बाद टीम में लौटे हैं, लेकिन जोस बटलर अभी भी बाहर हैं क्योंकि वह श्रीलंका के खिलाफ हालिया वनडे सीरीज (जिसे इंग्लैंड ने 2-1 से जीता था) के दौरान लगी हैमस्ट्रिंग की चोट से उबर रहे हैं। स्टार तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर को गर्मियों के व्यस्त कार्यक्रम के कारण आराम दिया गया है। घुटने की सर्जरी के बाद मिडिल-ऑर्डर बल्लेबाज जैकब बेथेल फिलहाल बाहर हैं। तेज गेंदबाज ब्रायडन कार्स भी इस टीम का हिस्सा नहीं हैं, जिनकी डर्बी नाइटक्लब के बाहर हुई एक घटना के लिए क्रिकेट रेगुलेटर ने जांच की थी। रावलपिंडी और लाहौर में होने वाली यह ट्राई-सीरीज 18 अक्टूबर को पाकिस्तान और श्रीलंका के बीच मैच के साथ शुरू होगी। इंग्लैंड अपने अभियान की शुरुआत 20 अक्टूबर को रावलपिंडी में मेजबान पाकिस्तान के खिलाफ करेगा और फाइनल मैच 31 अक्टूबर को लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में खेला जाएगा। इंग्लैंड के पूर्व बल्लेबाज केविन पीटरसन पाकिस्तान में टीम के साथ नहीं होंगे, हालांकि ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सर्दियों में होने वाले मैचों के लिए वह अपनी मेंटॉर की भूमिका फिर से शुरू करेंगे। इसके अलावा, पाकिस्तान के खिलाफ 3-0 से टेस्ट सीरीज जीतने में अंतरिम भूमिका निभाने के बाद मार्कस ट्रेस्कोथिक को ब्रेक दिया गया है। इंग्लैंड की डेवलपमेंट टीमों के साथ काम करने के बाद माइक यार्डी बैटिंग कोच की भूमिका संभालेंगे। इंग्लैंड की वनडे टीमः हैरी ब्रूक (कप्तान), गस एटकिंसन, सोनी बेकर, टॉम बैंटन, जेम्स कोल्स, जॉर्डन कॉक्स, मेसन क्रेन, हेनरी क्रोकोम्बे, सैम करन, लियाम डॉसन, बेन डकेट, विल जैक्स, जेमी ओवरटन, आदिल रशीद, जो रूट और जोश टोंग।

एशियन गेम्स 2026 में भारतीय महिला स्क्वैश टीम ने ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया है। हालांकि,

नागोया एजेंसी। टीम को सेमीफाइनल में हांगकांग के खिलाफ हार 1-2 से हार का सामना करना पड़ा। सेमीफाइनल मुकाबले की शुरुआत भारतीय महिला स्क्वैश टीम के लिए अच्छी नहीं रही। अनाहत सिंह ने चान सिन युक के खिलाफ शानदार शुरुआत की और पहले दो गेम जीते। अनाहत ने पहला गेम 11-9 और दूसरा गेम 11-8 से अपने नाम किया। हालांकि, इसके बाद चान सिन ने शानदार वापसी की और उन्होंने अगले तीन गेम जीतकर मैच को अपने नाम कर लिया। तीसरा गेम चान सिन ने 11-6 से जीता, तो चौथे गेम को 13-11 और पांचवें गेम को 12-10 से जीता। इस जीत के साथ हांगकांग ने मैच में 1-0 की बढ़त बना ली। हालांकि, इसके बाद तन्वी खन्ना ने भारतीय टीम की उम्मीदों को जिंदा रखा। उन्होंने अपने से ऊंची रैंकिंग वाली खिलाड़ी ली का यी को बेहतरीन वापसी करते हुए हराया। पहले गेम में तन्वी को 4-11 से हार का सामना करना पड़ा। इसके बाद तन्वी ने वापसी की और अगले तीनों गेम जीतकर स्कोर को 1-1 से बराबर कर दिया। तन्वी ने दूसरा गेम 13-11, तीसरा गेम 11-9 और 13-11 से जीता। निर्णायक मुकाबले में जोशना चिनप्पा ने निराश किया और वह हो त्जे लोक के खिलाफ हार गईं। हो त्जे ने पहला गेम 11-4 से अपने नाम किया।इसके बाद दूसरे गेम में भी हांगकांग की खिलाड़ी का दबदबा रहा और उन्होंने गेम को 11-7 से जीता। हो त्जे तीसरे गेम में भी हावी नजर आई और उन्होंने 11-9 से जीतकर हांगकांग को फाइनल का टिकट दिलाया। वहीं, भारतीय टीम को ब्रॉन्ज मेडल से संतोष करना पड़ा। एशियन गेम्स 2026 में स्क्वैश में यह चौथा मेडल है। इससे पहले, भारत व्यक्तिगत स्पर्धा में अभय सिंह और अनाहत सिंह ने सिल्वर मेडल अपने नाम किया था।

पुरुष वॉलीबॉल वार्टर फाइनल में भारत को पाकिस्तान से मिली हार

ओकाजाकी एजेंसी। भारतीय पुरुष वॉलीबॉल टीम को गुरुवार को खेले गए क्वार्टर फाइनल मुकाबले में पाकिस्तान के खिलाफ सीधे सेटों में हार का सामना करना पड़ा। इस हार के साथ ही एशियन गेम्स में पदक जीतने का भारतीय पुरुष वॉलीबॉल टीम का 1986 से चला आ रहा इंतजार बरकरार है। पाकिस्तान ने ओकाजाकी चुओ सोगो पार्क जिम्नेजियम में खेले गए एकतरफा मुकाबले में भारत को 25-19, 25-23, 25-18 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। पाकिस्तान वॉलीबॉल टीम ने 64 साल में पहली बार एशियाई खेलों में शीर्ष चार में जगह बनाई है। मैच की शुरुआत में भारत और पाकिस्तान के बीच मुकाबला बराबरी का था। स्कोर 11-11 की बराबरी पर था। इसके बाद पाकिस्तान ने पहले सेट में बढ़त बनानी शुरू की और लगातार पांच पॉइंट जीतकर 16-11 से आगे हो गया। जैसे-जैसे सेट आगे बढ़ा, पाकिस्तान की बढ़त बढ़ती गई। पाकिस्तान ने पहला सेट 25-19 से जीत लिया। दूसरे सेट में 19-16 से आगे रहने के बाद भी भारत अपनी बढ़त बनाए नहीं रख सका। गलतियां भारतीय टीम पर भारी पड़ीं और पाकिस्तान ने वापसी करते हुए दूसरा सेट 25-23 से जीता और 2-0 की बढ़त बना ली। तीसरे सेट में पाकिस्तान ने अपना दबदबा बनाए रखा और 25-18 से जीत हासिल की भारत आइची-नागोया 2026 में पूल सी में अपने तीनों मैच जीतकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई थी। भारतीय टीम ने अपने अभियान की शुरुआत वियतनाम पर 3-0 की जीत के साथ की थी और फिर हांगकांग चीन को भी इसी अंतर से हराया था। अपने आखिरी पूल मैच में भारत ने कतर के खिलाफ शुरुआती 2 सेट हारने के बाद शानदार वापसी करते हुए 26-28, 25-27, 25-23, 25-20, 24-22 के स्कोर के साथ 3-2 से जीत हासिल की। इस जीत के साथ भारतीय टीम पूल सी में शीर्ष पर रहते हुए क्वार्टर फाइनल में पहुंची थी। भारतीय वॉलीबॉल टीम को पिछले 2 एशियाई खेलों में भी पाकिस्तान से हार झेलनी पड़ी थी। हांगझोऊ 2023 में पाकिस्तान ने भारत को 3-0 और जकार्ता 2018 में 3-1 से हराया था। भारतीय पुरुष टीम ने अब तक एशियाई खेलों में वॉलीबॉल में तीन मेडल जीते हैं।

एशियन गेस के फाइनल में कैसा रहा है टीम इंडिया का रिकॉर्ड, पाकिस्तान के खिलाफ 'वर्चस्व' बरकरार रखने की चुनौती

नई दिल्ली एजेंसी। भारतीय मेंस क्रिकेट टीम ने एशियन गेम्स 2026 के फाइनल में अपनी जगह बना ली है। श्रीलंका को सेमीफाइनल में 124 रनों से रौंदकर टीम इंडिया अब फाइनल में पाकिस्तान के खिलाफ अपने गोल्ड मेडल का बचाव करने उतरेगी। भारतीय टीम को एशियन गेम्स के फाइनल में खेलने का मौका अब तक एक बार भी नहीं मिला है। पिछले एशियन गेम्स में टीम इंडिया ने फाइनल में जगह बनाई थी, लेकिन वो मुकाबला बारिश की भेंट चढ़ गया था। बेहतर टी20 रैंकिंग के आधार पर अफगानिस्तान के खिलाफ भारतीय टीम को विजेता घोषित करते हुए गोल्ड मेडल दिया गया था। अफगानिस्तान ने इस मैच में 18.2 ओवर बल्लेबाजी करते हुए 5 विकेट खोकर 112 रन बनाए थे। गेंदबाजी में अर्शदीप सिंह, शिवम दुबे और रवि बिश्नोई एक-एक विकेट निकालने में सफल रहे थे। एशियन गेम्स 2026 का फाइनल मुकाबला भारत और पाकिस्तान के बीच 3 अक्टूबर को खेला जाना है। टीम इंडिया का रिकॉर्ड पाकिस्तान के खिलाफ दमदार रहा है। टी20 इंटरनेशनल में दोनों टीमों की अब तक कुल 17 बार भिड़ंत हुई है, जिसमें से भारतीय टीम ने 13 मैचों में जीत दर्ज की है। वहीं, पाकिस्तान को सिर्फ 3 मुकाबलों में जीत नसीब हो सकी है। एक मुकाबला टाई रहा था और वहां भी भारतीय टीम बाजी मारने में सफल रही थी। श्रेयस अय्यर की कप्तानी में टीम इंडिया पाकिस्तान के खिलाफ अपने इस दबदबे को कायम रखने के इरादे से मैदान पर उतरेगी। भारत और पाकिस्तान की आखिरी भिड़ंत टी20 विश्व कप 2026 में हुई थी।

'हमें खुद पर भरोसा था, मैच शूटआउट में नहीं जाने देना चाहते थे', पाकिस्तान के खिलाफ मिली रोमांचक जीत पर बोले मंदीप सिंह

काकामिगहारा । भारतीय मेंस हॉकी टीम ने एशियन गेम्स 2026 के फाइनल में जगह बना ली है। रोमांच से भरे सेमीफाइनल मुकाबले में भारतीय टीम ने पाकिस्तान को 4-3 से शिकस्त दी। जीत के बाद भारतीय खिलाड़ी मंदीप सिंह ने कहा कि टीम चाहती थी कि मैच को किसी भी तरह से शूटआउट में न जाने दिया जाए। भारत और पाकिस्तान का स्कोर 3-3 की बराबरी पर चल रहा था और मुकाबला शूटआउट की तरफ बढ़ रहा था। हालांकि, मैच के अंतिम मिनट में अभिषेक ने विजयी गोल दागते हुए भारत को फाइनल का टिकट दिलाया। मंदीप ने 'आईएएनएस' के साथ बात करते हुए कहा, 'हमने पहले दो क्वार्टर में काफी अच्छी हॉकी खेली, लेकिन तीसरे और चौथे क्वार्टर में हमारा थोड़ा स्ट्रक्चर बिगड़ गया था। इन्हीं गलतियों की वजह से गोल हुए। हालांकि, हमें भरोसा था कि चाहे जैसे भी हो हमें इस मुकाबले को निकालना है और शूटआउट में लेकर नहीं जाना है। अंत में वही चीज हुई और हमने आखिरी 40 सेकंड में गोल किया।' मंदीप ने कहा कि टीम सेमीफाइनल मैच से सीख लेगी कि खासतौर पर चौथे क्वार्टर में टीम को अपना स्ट्रक्चर सही रखना है। उन्होंने कहा कि भारतीय टीम फाइनल को जीतकर एशियन गेम्स में लगातार दूसरा गोल्ड मेडल जीतने का प्रयास करेगी। वहीं, जरमनप्रीत सिंह ने कहा कि टीम के लिए इस मैच को जीतना बेहद जरूरी था, क्योंकि टीम का शुरुआत से लक्ष्य गोल्ड मेडल जीतकर ओलंपिक 2028 के लिए क्वालीफाई था। मैच के दौरान भारत और पाकिस्तान के खिलाड़ियों के बीच तीखी नोकझोंक भी देखने को मिली। इस पर बात करते हुए जरमनप्रीत ने कहा कि सेमीफाइनल जैसे मैचों में ऐसे पल आना भी जरूरी होता है, क्योंकि इन पलों से मैच का रोमांच बना रहता था। उन्होंने कहा कि मुकाबले में हर खिलाड़ी ने अपना 100 प्रतिशत देने की कोशिश की। जरमनप्रीत ने कहा कि गोल्ड मेडल मैच से पहले टीम अपनी गलतियों में सुधार करने की कोशिश करेगी और फाइनल में बेहतर प्रदर्शन करेगी। उन्होंने पाकिस्तान टीम के प्रदर्शन की भी सराहना की, जिन्होंने सेमीफाइनल में भारत को कड़ी टक्कर दी। भारतीय खिलाड़ी संजय ने माना कि सेमीफाइनल जैसे मुकाबले ऐसे ही कड़े होते हैं। उन्होंने कहा कि स्कोर पर ज्यादा ध्यान न देकर टीम के सभी खिलाड़ी एक-दूसरे को मोटिवेट करते रहे।

संजय ने कहा कि मैच के बीच में स्कोर क्या है, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता है, बल्कि 60 मिनट के बाद स्कोर क्या रहता है यह महत्वपूर्ण होता है। पाकिस्तान के खिलाफ मैच में होने वाले अतिरिक्त दबाव को लेकर बात करते हुए संजय ने कहा कि विपक्षी टीम से कोई फर्क नहीं पड़ता है। उन्होंने कहा कि टीम के सभी खिलाड़ी इस बात का ध्यान रखने की कोशिश करते हैं कि वह सभी प्लान के हिसाब से खेलें और बाहरी शोर पर अधिक ध्यान न दें।

प्रकाशक, मुद्रक एवम् संपादक विजय दुबे द्वारा 62, पार्वती नगर, पाण्डेयपुर, वाराणसी से प्रकाशित व काशी प्रिंटर्स, मिन्ट हाउस, वाराणसी से मुद्रित। समस्त विवादों को लखनऊ की सक्षम अदालतों में निपटाया जायेगा।

फोन : 91 8787220970
91 9839666352
आर.एन.आई. : UPHIN/2008/32231
डाक पंजीयन : जी–2 / न्यूज पेपर / 59 / 2004.
E-mail: lokhastakshep@gmail.com

संपादकः विजय दुबे
कार्यकारी संपादकः दीप्ती दुबे '
संपादकीय सलाहकार : राधाकृष्ण मिश्र

'समाचारों के चयन व संपादन हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी

वाम दलों ने मुख्य चुनाव आयुक्त को बर्खास्त करने की मांग को लेकर प्रदर्शन किया

लोक हस्तक्षेप समाचार

चंडीगढ़। सीपीएम व सीपीआई के कार्यकर्ताओं ने गुरुवार को पंचकूला में मुख्य चुनाव आयुक्त पद से ज्ञानेश कुमार को हटाने की मांग को लेकर प्रदर्शन किया और राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन सिटी मजिस्ट्रेट को सौंपा। ज्ञापन में ज्ञानेश कुमार को मुख्य चुनाव आयुक्त पद से हटाकर दोषपूर्ण एसआईआर प्रक्रिया पर रोक लगाने, अलोकतान्त्रिक ढंग से देश भर में काटे गए 13 करोड़ से ज्यादा वोटर्स के नाम लिस्ट में शामिल कर उनके मताधिकार को बहाल करने, एसआईआर के बाद जिन राज्यों में चुनाव हुए है वंहा दोबारा चुनाव कराने, आयोग की स्वतंत्र व जनतांत्रिक कार्यप्रणाली सुनिश्चित करने तथा सुप्रीमकोर्ट के मुताबिक आयोग के सदस्यों की नियुक्ति के लिए प्रधानमंत्री, विपक्ष के नेता व मुख्य न्यायधीश पर आधारित तीन सदस्यों की कमेटी गठन का क़ानून बनाने की मांग की गई है। सीपीएम के एडवोकेट आर. एस. साथी व सीपीआई के मामचंद बासिया ने सम्बोधित करते हुए कहा कि भारत के मुख्य चुनाव आयोग की पक्षपातपूर्ण कार्यप्रणाली के बारे में हुए खुलासो को देश ने देख लिया है कि जनता के वोट को कैसे चोरी किया गया है। दोनों चुनाव आयुक्तों ने बार बार जंहा नए मतदाताओं को सूची में शामिल करने व वोटर लिस्ट से नाम हटाने की प्रक्रिया पर चिंता जताई वंही निर्वाचक डेटाबेस को केन्द्रीकृत करने और फ़ॉर्म 6 में गैर-कानूनी बदलाव करने पर भी गंभीर सवाल उठाए है।

सीपीएम राज्य कमेटी सदस्य कामरेड सतीश सेठी ने कहा कि असल मुद्दा यह है कि क्या एसआईआर की प्रक्रिया पारदर्शी तरीके से, कानून के अनुसार, और योग्य वोटरों को गलत तरीके से बाहर करने के खिलाफ़ पर्याप्त सुरक्षा उपायों के साथ चलाया जा रहा है या नहीं। परन्तु 26 सितंबर को आयोग ने जो ब्यान जारी किया है वह उसके काम करने के तोर-तरीके और मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के बारे में हुए खुलासों से उठे गंभीर सवालों को बिल्कुल भी हल नहीं करता है। चुनाव आयोग ने इन मुद्दों पर कोई बात ही नहीं की है। सेठी ने कहा कि ऊपर से केरलम राज्य के रिटायर्ड मुख्य सचिव ने तो यंहा तक आरोप लगाया है कि ज्ञानेश कुमार ने उन्हें बीजेपी से चुनाव लड़ने का ऑफर दिया था। इससे स्पष्ट है कि ज्ञानेश कुमार बीजेपी के लिए काम कर रहे है। इसकी पुष्टि मोदी सरकार द्वारा 2023 में बनाए गए दंड मुक्त क़ानून से होती है जिसमें रिटायरमेंट के बाद भी चुनाव आयोग के मुखिया व उसके सदस्यों को उनके द्वारा किए अपराध के लिए कोई सज़ा नहीं दे सकने का प्रावधान किया गया है।इसलिए इस स्थिति में ज्ञानेश कुमार का एक मिनट भी मुख्य चुनाव आयोग के पद पर बने रहना लोकतंत्र के लिए खतरे की घंटी है। इसलिए उन्हें सीईओ पद से हटाना ही होगा। प्रदर्शन में अमर नाथ वर्मा, हरबन्स सिंह, वेद प्रकाश, जगत राम, टेक चंद कामी, श्रवण कुमार जांगड़ा, सतपाल, शिव राम, टेक चंद बेरखेड़ी , अमित, पूनम, संतोष, सतपाल चौहान, शिव कुमार, सुनीता, राम जन्म, गोपाल, राम फल व रजक इत्यादि ने भाग लिया।

इमरजेंसी रिस्पॉन्स में हिमाचल पुलिस देश में फिर नंबर एक, 4 मिनट 4 सेकंड में पहुंची मदद

शिमला,एजेंसी। हिमाचल प्रदेश पुलिस ने आपात स्थिति में त्वरित मदद पहुंचाने के मामले में देश में एक बार फिर पहला स्थान हासिल किया है। सितंबर 2026 की अखिल भारतीय ईआरएसएस-112 रिस्पॉन्स टाइम रैंकिंग में हिमाचल प्रदेश पुलिस पहले स्थान पर रही। राज्य में पिछले 30 दिनों के दौरान आपातकालीन घटनाओं पर औसत प्रतिक्रिया समय चार मिनट चार सेकंड दर्ज किया गया। पुलिस के अनुसार नवंबर 2025 तक ईआरएसएस-112 की राष्ट्रीय रैंकिंग में हिमाचल प्रदेश 34वें स्थान पर था। इसके बाद प्रतिक्रिया समय में लगातार सुधार हुआ और सितंबर 2026 की नवीनतम राष्ट्रीय रैंकिंग में हिमाचल ने देश के सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को पीछे छोड़ते हुए पहला स्थान हासिल किया है। पुलिस मुख्यालय के प्रवक्ता ने बताया कि इस उपलब्धि में ईआरएसएस-112 के कॉल टेकर, डिस्पैचर, इमरजेंसी रिस्पॉन्स व्हीकल यानी ईआरवी में तैनात कर्मचारी, जिला पुलिसकर्मी और निगरानी करने वाले अधिकारी शामिल हैं। आपात सूचना मिलने के बाद उसे संबंधित क्षेत्र तक तेजी से पहुंचाने, मौके पर पुलिस टीम भेजने और पूरी प्रक्रिया की लगातार निगरानी से प्रतिक्रिया समय कम करने में मदद मिली है। पुलिस प्रवक्ता के अनुसार राज्य ईआरएसएस केंद्र, जिलों और फील्ड स्तर पर तैनात पुलिस इकाइयों के बीच बेहतर समन्वय, तकनीक के प्रभावी इस्तेमाल और कामकाज में लगातार निगरानी से आपातकालीन सेवाओं की गति और कार्यक्षमता में सुधार हुआ है। पुलिस का कहना है कि आपात स्थिति में मदद पहुंचाने में बचाया गया हर मिनट किसी व्यक्ति की जान, सुरक्षा या संपत्ति की रक्षा में महत्वपूर्ण हो सकता है।

हरियाणा स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी के वीसी अशोक कुमार तीन हते में देंगे इस्तीफा

हाईकोर्ट में नियुक्ति को दी गई थी चुनौती

लोक हस्तक्षेप समाचार

चंडीगढ़। सोनीपत जिले के राई स्थित हरियाणा स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर पूर्व आई पी एस अधिकारी अशोक कुमार 3 सप्ताह में पद से इस्तीफा देंगे। अशोक कुमार ने पंजाब और हरियाणा हाइकोर्ट में यह हलफनामा पेश किया है।कुलपति पद पर अशोक कुमार की नियुक्ति को हाइकोर्ट में चुनौती दी गई थी।अशोक कुमार के हलफनामे के साथ ही याचिका का निपटारा कर दिया गया।

याचिका पर सुनवाई के दौरान अशोक कुमार ने हाइकोर्ट को बताया कि व्यक्तिगत कारणों से वे पद पर बने रहने में असमर्थ हैं और 3 सप्ताह के भीतर इस्तीफा सौंप देंगे।जस्टिस हरप्रीत सिंह बराड़ की पीठ ने याचिका का निपटारा कर दिया। कोर्ट ने राज्य सरकार को इस्तीफा स्वीकार करने और 31 अक्टूबर 2026 तक इससे जुड़ी सभी जरूरी प्रक्रियाएं पूरी करने के निर्देश दिए हैं।अशोक कुमार नवंबर 2023 में उत्तराखंड के डीजीपी पद से रिटायर हुए थे। इसके करीब 4 महीने बाद 1 मार्च 2024 को उन्हें हरियाणा की स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी का वीसी नियुक्त किया गया था। उनसे पहले रिटायर्ड आई पी एस एसएस देशवाल भी कार्यकाल पूरा होने से पहले वीसी पद से इस्तीफा दे चुके थे।डॉ.डॉ. देवेंद्र सिंह मोर और एक अन्य ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। इसमें अशोक कुमार की नियुक्ति को अवैध और यूजीसी के 2018 के नियमों के खिलाफ बताते हुए रद्द करने की मांग की गई। साथ ही उनके वेतन निर्धारण (15 जुलाई 2024 के पत्र) को भी चुनौती दी गई थी। याचिकाकर्ता ने तर्क दिया कि यूनिवर्सिटी को मान्यता कंडीशनल है कि वो यूजीसी एक्ट के नियमों का पालन करेगी। वीसी के लिए 10 साल का प्रोफेसर का अनुभव होना जरूरी है। अशोक कुमार कभी प्रोफेसर नहीं रहे हैं। उन्होंने पीएचडी नहीं की।अशोक कुमार की ओर से तर्क दिया था कि पहला वाइस चांसलर सरकार नियुक्त कर सकती है। इस पर डीएस मोर की ओर से तर्क दिया कि एक्ट में कहीं नहीं लिखा कि अयोग्य व्यक्ति को भी पहला वाइस चांसलर बना दिया जाए। सैलरी को लेकर डीएस मोर ने मुद्दा उठाया था कि अशोक कुमार वीसी का पे स्केल नहीं ले रहे थे, वे डीजीपी के पे स्केल पर ही यहां काम रहे हैं। डीजीपी के पे स्केल से ही पेंशन माइनस करवा रहे हैं। जबकि वीसी के पे स्केल पर उनकी पहली पेंशन माइनस होकर इनकी सैलरी बननी चाहिए।डॉ. मोर की तरफ से सुप्रीम कोर्ट के फैसले का हवाला दिया गया, जिसमें पुडुचेरी तकनीकी विश्वविद्यालय के एक प्रोफेसर को वीसी के पद से हटाने के निर्देश दिए गए थे, क्योंकि उनकी 10 साल के अनुभव में मात्र 3 महीने शेष थे। कोर्ट ने कहा था अनुभव की शर्त में एक दिन भी कम नहीं होना चाहिए। हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया कि कुलपति 3 सप्ताह में इस्तीफा देंगे और सरकार उसे 1 सप्ताह के भीतर स्वीकार करेगी। यूनिवर्सिटी एक्ट के नियम-2 के तहत, स्थायी व्यवस्था या नए वीसी की नियुक्ति होने तक यूनिवर्सिटी के वरिष्ठ डीन अंतरिम कुलपति के रूप में जिम्मेदारी संभालेंगे।अदालत ने राज्य सरकार को आदेश दिया है कि नए कुलपति की नियुक्ति यूजीसी के 2018 नियमों के तहत ही की जाए। हाई कोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट के हालिया फैसले (डॉ. एस. मोहन बनाम सेक्रेटरी, पुडुचेरी टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी, 2026) का हवाला देते

आवश्यकता है

वाराणसी, लखनऊ और नई दिल्ली से प्रकाशित हिन्दी दैनिक 'लोक हस्तक्षेप' के लिए आवश्यकता है महिला एवं पुरुष विज्ञापन प्रतिनिधियों की।

विज्ञापन के क्षेत्र में अनुभवी व फ्रेशर भी आवेदन कर सकते हैं।

सम्पूर्ण विवरण सहित आवेदन करें।

lokhastakshepcorp@gmail.com

WhatsApp : 9839666352

लोक हस्तक्षेप
The power of truth
वाराणसी | लखनऊ | नई दिल्ली

राजावडिंग के बाद भी पंजाब कांग्रेस में बना रहेगा एकजुटता का सवाल

राजेंद्र सिंह जादौन

चंडीगढ़। पंजाब कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष पद से अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग के इस्तीफे के बाद विजय इंदर सिंगला का नाम नए प्रदेश अध्यक्ष के तौर पर सबसे आगे बताया जा रहा है। प्रदेश में विधानसभा चुनाव में करीब पांच महीने का समय बचा है और ऐसे में कांग्रेस के लिए यह बदलाव केवल प्रदेश अध्यक्ष बदलने तक सीमित नहीं रहेगा। असली सवाल यह है कि क्या नया नेतृत्व पार्टी के नेताओं को एक साथ बैठाकर चुनावी मैदान में उतार पाएगा

पंजाब कांग्रेस की कहानी पिछले कुछ समय से केवल सरकार के खिलाफ मुद्दे उठाने की नहीं रही है। पार्टी के अंदर ही नेतृत्व को लेकर मतभेद सामने आते रहे हैं। जुलाई में कांग्रेस ने 2027 चुनाव के लिए अलग-अलग समितियां बनाई थीं। उस समय राजा वड़िंग को प्रदेश अध्यक्ष बनाए रखा गया था, चरणजीत सिंह चन्नी को कैंपेन कमेटी, विजय इंदर सिंगला को चुनाव प्रबंधन एवं समन्वय समिति और सुखजिंदर सिंह रंधावा को कोर कमेटी की जिम्मेदारी दी गई थी। लेकिन संगठन की यह व्यवस्था जमीन पर पूरी तरह सहज नहीं हो पाई। चरणजीत चन्नी खेमे और वड़िंग के नेतृत्व के बीच टकराव बना रहा । अब प्रदेश अध्यक्ष बदलने की कवायद को केवल एक व्यक्ति की जगह दूसरे व्यक्ति को बैठाने के तौर पर नहीं देखा जा रहा। हाईकमान के सामने चुनौती यह है कि पार्टी के बड़े नेताओं को जिम्मेदारी मिले और उनके बीच तालमेल भी बने।विजय इंदर सिंगला का नाम इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि वे पहले से ही चुनाव प्रबंधन की जिम्मेदारी संभाल रहे थे। जुलाई में उन्हें इलेक्शन मैनेजमेंट और कोऑर्डिनेशन समिति का चेयरमैन बनाया गया था। अगर उन्हें प्रदेश अध्यक्ष की जिम्मेदारी मिलती है तो उनका काम केवल प्रदेश कांग्रेस कार्यालय चलाना नहीं होगा। उन्हें गांव से लेकर जिला स्तर तक कार्यकर्ताओं को सक्रिय करना होगा और बड़े नेताओं के बीच भी संवाद बनाए रखना होगा।सिंगला के सामने सबसे बड़ा सवाल यही होगा–क्या वे ऐसे अध्यक्ष बन सकते हैं जिसके साथ अलग-अलग राजनीतिक खेमे काम करने में सहज महसूस करें?

पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी 2027 के लिए कांग्रेस की कैंपेन कमेटी के चेयरमैन हैं। इसका मतलब साफ है कि चुनाव प्रचार में उनकी भूमिका महत्वपूर्ण रहेगी। इसलिए नए प्रदेश अध्यक्ष के लिए चन्नी के साथ तालमेल बेहद अहम होगा। पंजाब की राजनीति में चन्नी की अपनी पहचान और राजनीतिक आधार है। ऐसे में संगठन और प्रचार की जिम्मेदारियां अलग-अलग नेताओं के पास होने के बावजूद दोनों के बीच बेहतर समन्वय जरूरी होगा।कांग्रेस के लिए मुश्किल यह नहीं होगी कि चन्नी को क्या जिम्मेदारी दी जाए, बल्कि यह होगी कि प्रदेश अध्यक्ष और चुनाव अभियान एक ही दिशा में चलते नजर आएं। पूर्व उपमुख्यमंत्री सुखजिंदर सिंह रंधावा को चुनावी कोर कमेटी की जिम्मेदारी दी गई है। वे भी पंजाब कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं में हैं। जुलाई में उन्हें कोर कमेटी का चेयरमैन बनाया गया था।ऐसे में सिंगला के लिए रंधावा के साथ तालमेल भी महत्वपूर्ण होगा। चुनाव के समय रणनीति, उम्मीदवारों, संगठन और वरिष्ठ नेताओं के बीच बातचीत जैसे मुद्दों में कोर कमेटी की भूमिका रहेगी।राजा वड़िंग ने प्रदेश अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया है। उनके कार्यकाल को लेकर पार्टी के भीतर मतभेद भी सामने आते रहे। अब नेतृत्व परिवर्तन के बाद यह देखना भी महत्वपूर्ण होगा कि वड़िंग आगे संगठन और चुनाव में किस भूमिका में रहते हैं। कांग्रेस के लिए यह भी अहम है कि बदलाव के बाद पुराने नेतृत्व से जुड़े कार्यकर्ता खुद को अलग-थलग महसूस न करें। क्योंकि चुनाव केवल बड़े नेताओं की बैठकों से नहीं, बल्कि बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं के जरिए लड़ा जाता है।जमीनी कार्यकर्ता के लिए सबसे बड़ा सवाल कांग्रेस के सामने आज सबसे बड़ा सवाल यही है कि दिल्ली से नेतृत्व का फैसला होने के बाद पंजाब के गांव और बूथ तक पार्टी की नई तस्वीर कितनी जल्दी पहुंचती है।कार्यकर्ता लंबे समय से यह देखना चाहता है कि पार्टी का नेतृत्व कौन करेगा, चुनावी रणनीति क्या होगी और स्थानीय स्तर पर किस नेता की बात मानी जाएगी। यदि इन सवालों का जवाब स्पष्ट नहीं हुआ तो संगठनात्मक बदलाव का पूरा फायदा उठाना मुश्किल हो सकता है। अगर सिंगला प्रदेश अध्यक्ष बनते हैं तो 2027 के चुनाव में उनकी भूमिका तीन स्तरों पर महत्वपूर्ण होगी–

पहला जिला, ब्लॉक और बूथ स्तर पर पार्टी को सक्रिय करना।

दूसरा चन्नी, रंधावा, वड़िंग, प्रताप बाजवा समेत वरिष्ठ नेताओं के साथ तालमेल।तीसरा उम्मीदवारों, कार्यक्रमों और पार्टी के चुनावी अभियान को एक दिशा देना।हालांकि केवल किसी नेता को प्रदेश अध्यक्ष बनाए जाने से चुनाव का परिणाम तय नहीं होता। चुनावी नतीजे उम्मीदवारों, स्थानीय समीकरणों, मुद्दों, संगठन और मतदाताओं के रुख समेत कई कारकों पर निर्भर करते हैं। पंजाब कांग्रेस के लिए इस समय सबसे महत्वपूर्ण बात यही है कि अध्यक्ष बदलने के साथ पार्टी की कार्यशैली भी बदले।कांग्रेस के पास पूर्व मुख्यमंत्री, पूर्व उपमुख्यमंत्री, सांसद, विधायक और कई अनुभवी नेता हैं। चुनौती इन नेताओं की संख्या नहीं, बल्कि इनकी राजनीतिक ऊर्जा को एक दिशा में लगाने की है।2027 से पहले कांग्रेस की असली परीक्षा यही होगी कि क्या वह अपने नेताओं की व्यक्तिगत राजनीतिक ताकत को एक साझा संगठनात्मक ताकत में बदल पाती है।

उच्चतम न्यायालय ने ममता के तृणमूल कांग्रेस की याचिका खारिज की

नई दिल्ली,एजेंसी। उच्चतम न्यायालय ने ममता बनर्जी के नेतृत्व वाले तृणमूल कांग्रेस गुट की उस याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें चार ऐसे बैंक खातों को ऑपरेट करने की अनुमति मांगी गई, जिन्हें फ्रीज कर दिया गया था। न्यायमूर्ति एमएम सुंदरेश की अध्यक्षता वाली बेंच ने कहा कि वे कलकत्ता उच्च न्यायालय के उस आदेश में दखल नहीं देना चाहते, जिसमें इस याचिका को मंजूरी देने से इनकार कर दिया गया था। उच्चतम न्यायालय ने कहा कि निर्वाचन आयोग ने पार्टी के चुनाव चिह्न को फ्रीज कर दिया है, इसलिए इस मसले पर अभी फैसला होना बाकी है कि उस रकम का हकदार कौन है। उच्चतम न्यायालय ने 3 सितंबर को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को सुझाव दिया था कि प्रशासन को कुछ राशि जारी कर दीजिए ताकि वो पार्टी रोजमर्रा के कामकाज का संचालन कर सके। इस पर ईडी की ओर से पेश एएसजी एसवी राजू ने कहा कि यह राशि पहले से उपलब्ध है। 164 करोड़ रुपये जब्त नहीं किए गए हैं। इसका तृणमूल की ओर से पेश वकील कपिल सिब्बल ने विरोध किया था और पार्टी को राहत देने की मांग की। दरअसल ईडी ने जांच के दौरान पार्टी के बैंक खातों को फ्रीज कर दिया था। इसके बाद ममता बनर्जी के नेतृत्व वाले तृणमूल कांग्रेस के गुट ने कलकत्ता उच्च न्यायालय में याचिका दायर की थी। कलकत्ता उच्च न्यायालय ने ममता बनर्जी की याचिका खारिज कर दी थी। इसके बाद ममता बनर्जी ने उच्चतम न्यायालय का दरवाजा खटखटाया था।